website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 263 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 31 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी चीन के तियानजिन पहुंचे, एससीओ शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को चीन के तियानजिन पहुंचे। चीन के उद्योग एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ली लेचेंग, तियानजिन सरकार के निदेशक यू यूनलिन और चीनी राजदूत ज़ू फेइहोंग ने पीएम मोदी का स्वागत किया। वह यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "चीन के तियानजिन पहुंच गया हूं। एससीओ शिखर सम्मेलन में विचार-विमर्श और विभिन्न विश्व नेताओं से मुलाकात के लिए उत्सुक हूं।

एससीओ शिखर सम्मेलन 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन में आयोजित किया जा रहा है। यह पिछले सात वर्षों में पीएम मोदी की पहली चीन यात्रा होगी और जून 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुए टकराव के बाद पहली यात्रा होगी।

इससे पहले, दो देशों की यात्रा पर रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रस्थान वक्तव्य में कहा था, "मैं राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा करूंगा। भारत एससीओ का एक सक्रिय और रचनात्मक सदस्य है। अपनी अध्यक्षता के दौरान, हमने नवाचार, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में नए विचार प्रस्तुत किए हैं और सहयोग की पहल की है।"

उन्होंने कहा कि भारत "साझा चुनौतियों का समाधान करने और क्षेत्रीय सहयोग को गहरा करने के लिए एससीओ सदस्यों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।"प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग, राष्ट्रपति पुतिन और अन्य नेताओं से मिलने के लिए भी उत्सुक हूं।

वहीं, दोनों नेताओं ने 2024 में रूस के कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर एक बैठक की थी। द्विपक्षीय वार्ता में सफलता तब संभव हुई जब भारत और चीन ने चार साल से चल रहे सीमा टकराव को समाप्त करने के लिए लगभग 3,500 किलोमीटर लंबी एलएसी पर गश्त करने पर एक समझौता किया।

SCO एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जिसकी स्थापना 15 जून, 2001 को शंघाई में हुई थी। भारत 2017 से एससीओ का सदस्य है। एससीओ के सदस्य देश हैं- चीन, रूस, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस।

इसके अलावा, एससीओ में दो पर्यवेक्षक देश-अफगानिस्तान और मंगोलिया और 14 संवाद साझेदार हैं, जिनमें तुर्की, कुवैत, अजरबैजान, आर्मेनिया, कंबोडिया और नेपाल, श्रीलंका, सऊदी अरब, मिस्र, कतर, बहरीन, मालदीव, म्यांमार और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

अमेरिका की संघीय अपील अदालत ने ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ बताया गैरकानूनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में एक संघीय अपील अदालत ने भारत के लिए संभावित राहत देते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए व्यापार शुल्क (टैरिफ) को गैरकानूनी करार दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप के पास ऐसे व्यापक अधिकार नहीं थे कि वे इस तरह के शुल्क लगा सकें।

हालांकि, अदालत ने टैरिफ को 14 अक्टूबर तक जारी रहने की अनुमति दी है, ताकि ट्रंप प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का मौका मिल सके।

शुक्रवार दोपहर फैसला आने के तुरंत बाद, ट्रंप ने इसे "बहुत पक्षपाती" बताते हुए इसकी आलोचना की और कहा कि वे इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे, जहां उन्हें "मदद मिलने" की उम्मीद है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'यदि इसे ऐसे ही रहने दिया गया तो यह निर्णय सचमुच संयुक्त राज्य अमेरिका को नष्ट कर देगा।'"

वहीं, व्हाइट हाउस के उप प्रेस सचिव कुश देसाई ने अस्थायी रोक का ज़िक्र करते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए टैरिफ अभी भी लागू रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि सरकार यह मामला अंत में जीत जाएगी।

यह फैसला उन टैक्स पर लागू होता है जो अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आपातकाल के कानून के तहत लगाए गए थे, न कि सुरक्षा से जुड़े टैक्सों पर।

अगर भारत सुप्रीम कोर्ट में कानूनी चुनौती से बच जाता है, तो उस पर लगाया गया 25 फीसद टैरिफ जरूर हटा दिया जाएगा। हालांकि, यह साफ नहीं है कि रूस से तेल खरीदने पर लगाया गया 25 फीसद दंडात्मक शुल्क भी इस फैसले में शामिल है या नहीं, क्योंकि होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम का कहना है कि यह शुल्क रूस से अमेरिका को होने वाले खतरे से निपटने के लिए लगाया गया था।

न्यायालय के फैसले में उन शुल्कों को शामिल नहीं किया गया है जो राष्ट्रीय सुरक्षा के कारण स्टील, एल्युमीनियम और तांबे पर लगाए गए हैं। इसलिए, ऐसा लगता है कि तेल पर लगने वाला टैरिफ अभी भी जारी रह सकता है।

अमेरिकी कोर्ट ऑफ अपील्स ने 7-4 के बहुमत से यह फैसला सुनाया है कि टैरिफ लगाने का अधिकार मुख्य रूप से कांग्रेस के पास है, न कि राष्ट्रपति के पास। यह फैसला ट्रंप के टैरिफ संबंधी फैसले के खिलाफ है। कोर्ट ने कहा कि संविधान में टैरिफ लगाने की शक्ति विशेष रूप से कांग्रेस को दी गई है।

जब ट्रंप सरकार ने ट्रेड वॉर शुरू किया, तो उन्होंने आईईईपीए कानून का इस्तेमाल करते हुए कहा था कि व्यापार घाटे की वजह से देश में आर्थिक आपातकाल की स्थिति बन गई है। इसी के आधार पर उन्होंने सामानों पर टैरिफ यानी सीमा शुल्क लगा दिया था।

अदालत ने कहा कि कानून में साफ तौर पर टैरिफ या टैक्स लगाने का अधिकार नहीं दिया गया है।

पूर्व कार्यवाहक सॉलिसिटर जनरल नील कटियाल डेमोक्रेटिक राज्यों और छोटे कारोबार के समूह के प्रमुख वकीलों में से थे, जिन्होंने ट्रंप के टैरिफ लगाने के अधिकार को अदालत में चुनौती दी थी।

तियानजिन शिखर सम्मेलन एससीओ में नई गति लाएगा- पुतिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि 31 अगस्त से चीन के तियानजिन में शुरू हो रहा शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन संगठन में नई ताकत का संचार करेगा।शिखर सम्मेलन और बीजिंग में चीन के स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के लिए चीन की अपनी यात्रा की पूर्व संध्या पर एक लिखित साक्षात्कार में पुतिन ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन समकालीन चुनौतियों और खतरों का सामना करने की एससीओ की क्षमता को मजबूत करेगा और साझा यूरेशियाई क्षेत्र में एकजुटता को मजबूत करेगा।

उन्होंने कहा, "यह सब एक अधिक न्यायसंगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को आकार देने में मदद करेगा।"

पुतिन ने कहा, "एससीओ का आकर्षण इसके सरल लेकिन शक्तिशाली सिद्धांतों में निहित है। ये सिद्धांत संस्थापक दर्शन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता, समान सहयोग के लिए खुलापन, किसी तीसरे पक्ष को निशाना न बनाना और प्रत्येक राष्ट्र की राष्ट्रीय विशेषताओं और विशिष्टता का सम्मान हैं।"

उन्होंने कहा, "इन मूल्यों को अपनाते हुए, एससीओ एक अधिक न्यायसंगत, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को आकार देने में योगदान देता है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून पर आधारित है और संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय समन्वयकारी भूमिका है।"

रूसी राष्ट्रपति ने कहा, "इस वैश्विक दृष्टिकोण का एक प्रमुख तत्व यूरेशिया में समान और अविभाज्य सुरक्षा की एक संरचना का निर्माण है, जिसमें एससीओ सदस्य देशों के बीच घनिष्ठ समन्वय भी शामिल है।"

एक रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि तियानजिन शिखर सम्मेलन एससीओ के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। रूस चीनी अध्यक्षता द्वारा घोषित प्राथमिकताओं का पूरा समर्थन करता है, जो एससीओ को मजबूत करने, सभी क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने और वैश्विक मंच पर संगठन की भूमिका को बढ़ाने पर केंद्रित हैं।

पुतिन ने कहा, "मुझे विश्वास है कि हमारे संयुक्त प्रयासों से, हम एससीओ को नई गति प्रदान करेंगे और समय की मांग के अनुसार इसका आधुनिकीकरण करेंगे।"

गौरतलब हो, चीन 2024-2025 तक एससीओ की अध्यक्षता करेगा। 2025 में, एससीओ शिखर सम्मेलन तियानजिन में आयोजित किया जाएगा। तियानजिन शिखर सम्मेलन 31 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित होगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज नोएडा में रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई का लोकार्पण करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को नोएडा के दौरे पर पहुंच रहे हैं। इस दौरान वे सेक्टर-113 हेलीपैड पर दोपहर लगभग 3:40 बजे उतरेंगे। कार्यक्रम के तहत रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री यहां रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई का लोकार्पण करेंगे।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री नोएडा प्राधिकरण और यमुना प्राधिकरण द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। इस वीवीआईपी दौरे को देखते हुए, जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जानकारी के अनुसार, नोएडा पुलिस और यातायात विभाग ने सुबह से ही मुख्य मार्गों पर तैनाती शुरू कर दी थी। जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है ताकि बिना जांच कोई भी वाहन कार्यक्रम स्थल के आसपास न पहुंच सके। लगभग 1000 पुलिसकर्मी अलग-अलग इलाकों में तैनात किए गए हैं।

यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए डायवर्जन योजना भी लागू की गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री और रक्षा मंत्री की सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यही कारण है कि हेलीपैड से लेकर कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास के मार्गों पर पुलिस, पीएसी और खुफिया विभाग की टीमें सक्रिय हैं। इसके अलावा, ड्रोन कैमरों से भी निगरानी रखी जा रही है। ड्रोन और रक्षा उपकरण निर्माण इकाई के लोकार्पण को लेकर उद्योग जगत में उत्साह देखा जा रहा है।

यह कदम 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' को नई दिशा देगा। इस यूनिट से देश को रक्षा क्षेत्र में मजबूती मिलने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि आम जनता की आवाजाही पर ज्यादा असर न पड़े, इसके लिए मार्गों पर पहले से ही सूचना दे दी गई है। सुबह से ही पुलिस और ट्रैफिक विभाग की टीमें सक्रिय होकर वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों की जानकारी दे रही हैं।

जयपुर में तेज बारिश, उदयपुर में कार-बाइक बही

-जोधपुर में 4 इंच तक बरसात, सिरोही-पाली-जालोर में आज ऑरेंज अलर्ट

जयपुर। राजस्थान में मानसून की बरसात ने शनिवार को कई जिलों में तबाही मचाई। प्रतापगढ़, जोधपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और सिरोही समेत कई जिलों में 2 से 4 इंच तक बारिश दर्ज हुई। तेज बरसात से कई इलाकों में मकान और दीवारें गिर गईं, वहीं नदी-नालों का जलस्तर भी तेजी से बढ़ गया।

शनिवार देर रात जयपुर में मौसम अचानक बदला और तेज बारिश के साथ बिजली कड़कने लगी। वहीं, उदयपुर के जावर माइंस क्षेत्र में करीब एक घंटे तक मूसलधार बरसात हुई। इस दौरान सड़क किनारे खड़ी एक कार पानी के तेज बहाव में बह गई। एक बाइक सवार भी पानी में बह गया, हालांकि थोड़ी दूर जाकर स्थानीय लोगों ने उसे बचा लिया।

हादसों में दो मौतें, कई घायल

बीकानेर जिले के लूणकरणसर इलाके में मलकीसर छोटा गांव के चक 17 एमकेडी में बारिश से कच्चे मकान की छत गिर गई। इस हादसे में 10 साल के मासूम की मौत हो गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल है।

भीलवाड़ा के बिजौलिया क्षेत्र के केरखेड़ा गांव में पत्थर काटने के कारखाने पर बिजली गिर गई। इस घटना में एक मजदूर की मौत हो गई और 5 मजदूर झुलसकर घायल हो गए।

अलर्ट पर राजस्थान

मौसम विभाग ने रविवार को सिरोही, पाली और जालोर जिलों के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं बीकानेर, चूरू, गंगानगर और हनुमानगढ़ को छोड़कर राज्य के अन्य 26 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पीएम मोदी ने जापानी प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी को भेंट किए अनूठे उपहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो दिवसीय जापान यात्रा के दौरान भारत-जापान के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और सांस्कृतिक जुड़ाव को और प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा और उनकी पत्नी को भारतीय परंपरा, कला और शिल्पकला की झलक से सजे विशेष उपहार भेंट किए। यह उपहार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाने के साथ-साथ जापान की परंपरा और जीवनशैली से भी जुड़ाव स्थापित करते हैं।

पीएममोदी ने जापान के प्रधानमंत्री को बेशकीमती पत्थरों और चांदी की चॉपस्टिक से बना बाउल सेट भेंट किया है। यह अनूठा सेट भारतीय शिल्पकला और जापानी खानपान परंपरा का संगम है। इसमें एक बड़ा भूरा मूनस्टोन बाउल, चार छोटे बाउल और चांदी की चॉपस्टिक्स शामिल हैं। इसका डिज़ाइन जापान की डोनबुरी और सोबा खाने की रस्मों से प्रेरित है।

इस बाउल में प्रयुक्त मूनस्टोन आंध्र प्रदेश से प्राप्त किया गया है, जो अपनी चमकदार आभा के लिए प्रसिद्ध है। मूनस्टोन प्रेम, संतुलन और संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। वहीं, मुख्य बाउल का आधार राजस्थान के मकराना संगमरमर पर तैयार किया गया है और पर्चिनकारी शैली में अर्ध-कीमती पत्थरों की नक्काशी की गई है। यह शैली ताजमहल सहित भारत की कई ऐतिहासिक धरोहरों में दिखाई देती है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने जापानी प्रधानमंत्री की पत्नी को पश्मीना शॉल एक पेपर मेश बॉक्स में भेंट किया, जिसे कश्मीर के कारीगरों ने बारीकी से तैयार किया है। यह शॉल लद्दाख की चांगथांगी बकरी की ऊन से बनाई गई है, जो अपनी हल्की, मुलायम और गुणवत्ता के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। कश्मीरी कारीगरों द्वारा हाथ से बुनी गई इस शॉल में सदियों पुरानी परंपरा की झलक है, जिसे कभी शाही परिवार बहुत पसंद करते थे।

शॉल का आधार हाथीदांत (आइवरी) रंग का है, जिस पर रस्ट, गुलाबी और लाल रंग में कोमल फूलों और पेसले पैटर्न की कढ़ाई की गई है। यह पारंपरिक कश्मीरी शिल्प और सदियों पुरानी बुनाई कला की झलक पेश करता है।

इस शॉल को एक हैंड-पेंटेड बॉक्स में सजाकर रखा गया है। इस बॉक्स पर हाथ से बनाए गए पुष्प और पक्षियों के चित्र हैं, जो इसकी सुंदरता और सांस्कृतिक महत्व को और बढ़ा देते हैं।

इन उपहारों के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की विविध कला और शिल्पकला को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित किया है। इसके साथ ही उन्होंने भारत-जापान के बीच सांस्कृतिक और पारंपरिक रिश्तों को और मजबूत किया।

वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन हादसे की जांच कमेटी गठित

-दो हफ्ते में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 26 अगस्त को माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर अर्धकुंवारी के पास हुए भूस्खलन हादसे की गंभीरता को देखते हुए एक उच्च स्तरीय तीन-सदस्यीय जांच समिति के गठन का आदेश दिया है। इस भयानक घटना ने तीर्थयात्रियों और स्थानीय प्रशासन को झकझोर दिया और अब इसकी तह तक जाने के लिए यह समिति बनाई गई है।

यह कमेटी जल शक्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव शलीन काबरा की अध्यक्षता में गठित की गई है। इसके दो अन्य सदस्य जम्मू संभाग के मंडलीय आयुक्त और जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक होंगे। राजभवन, श्रीनगर से जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, यह समिति तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर काम करेगी।घटना के कारणों की विस्तृत जांच करेगी और यह पता लगाएगी कि कहीं कोई लापरवाही या चूक तो नहीं हुई।

घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा, जिससे यह समझा जा सके कि मौके पर क्या-क्या कदम उठाए गए। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उचित मानक संचालन प्रक्रियाएं और सुरक्षा उपाय सुझाए जाएंगे। यह समिति दो हफ्तों के भीतर अपनी रिपोर्ट माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष, जो कि उपराज्यपाल स्वयं हैं, को सौंपेगी।

विशेष सचिव कृष्ण लाल द्वारा हस्ताक्षरित आदेश में कहा गया है कि यह कदम श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और प्रशासनिक जवाबदेही तय करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

गौरतलब है कि 26 अगस्त को जिला रियासी में वैष्णो देवी यात्रा मार्ग के एक हिस्से पर अचानक भूस्खलन हुआ था, जिसमें कई लोग घायल हो गए और यात्रा भी कुछ समय के लिए बाधित रही।

बता दें कि यह घटना उस समय हुई जब श्रद्धालुओं का एक समूह वैष्णो देवी भवन की ओर बढ़ रहा था। हादसे के तुरंत बाद बचाव दल, एनडीआरएफ, श्राइन बोर्ड के कर्मचारी और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया था।

गुजरात में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी, मछुआरों को समुद्र से दूर रहने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं, कुछ जिलों में भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को आनंद, खेड़ा, पंचमहल और दाहोद जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। इन जिलों में प्रशासन को सतर्क रहने और राहत-बचाव टीमों को तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले पांच दिनों तक गुजरात के कई इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। खासकर दक्षिण गुजरात के तटीय क्षेत्रों में तूफानी लहरें उठने की आशंका है। ऐसे में मछुआरों को फिलहाल समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी गई है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस समय मानसून की द्रोणिका और दो चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय हैं, जिसके कारण राज्य के कई हिस्सों में बारिश का दौर तेज हो सकता है। अहमदाबाद में भी आज गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। प्रशासन ने निचले इलाकों में रह रहे लोगों को सतर्क रहने और आपात स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करने की अपील की है। वहीं, आपदा प्रबंधन दल को हाई अलर्ट पर रखा गया है ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत राहत और बचाव कार्य किया जा सके।

मौसम वैज्ञानिक रामाश्रय यादव ने बताया कि 30 अगस्त को गुजरात क्षेत्र के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें आनंद, खेडा, पंचमहल और दाहोद जिलों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा, गुजरात के अन्य कई जिलों जैसे वडोदरा, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, नवसारी, वलसाड और डांग में भी भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

उन्होंने कहा कि सौराष्ट्र क्षेत्र में राजकोट, जामनगर, अमरेली, भावनगर, मोरबी, गिर सोमनाथ, बोटाद और कच्छ जैसे जिले भी ऑरेंज अलर्ट के दायरे में हैं, जहां बहुत भारी बारिश के साथ-साथ गरज-चमक के साथ तूफान की चेतावनी है। अगले पांच दिनों तक गुजरात के सभी जिलों में व्यापक रूप से तूफानी गतिविधियों की उम्मीद है, जिसमें हवा की गति 30-40 किमी/घंटा रहने की संभावना है, जो गुजरात तट पर कभी-कभी 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है।

मौसम वैज्ञानिक ने निवासियों को सलाह दी है कि वे जलभराव और व्यवधान की संभावना के कारण सतर्क रहें और सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

एआइ से मित्रता का भ्रम: समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी

तकनीक का मूल उद्देश्य हमेशा से मानव जीवन को सरल और सहज बनाना रहा है। पहिए के आविष्कार से लेकर इंटरनेट और स्मार्टफोन तक, हर नई खोज ने इंसान की राह आसान की है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हर तकनीक अपने साथ कुछ नए खतरे और समस्याएं भी लेकर आती है। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) सबसे चर्चित और प्रभावशाली तकनीक के रूप में सामने आई है। शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, मनोरंजन और संवाद—हर क्षेत्र में एआइ अपनी जगह तेजी से बना रहा है। परंतु इसके साथ ही सामाजिक, नैतिक और मानवीय पहलुओं पर गंभीर प्रश्न भी खड़े हो रहे हैं। हाल ही में अमरीका के सैनफ्रांसिस्को में घटी एक घटना ने इन खतरों को और स्पष्ट कर दिया। यहां एक किशोर, जो लंबे समय से अवसाद और अकेलेपन से जूझ रहा था, उसने एआइ चैटबॉट को अपना मित्र मान लिया। वह अपनी निराशा और दुख की बातें 'मित्र चैटजीपीटी' से साझा करने लगा। किशोर को लगा कि यह चैटबॉट उसकी भावनाओं को समझेगा, सहारा देगा और उसे सही राह दिखाएगा। लेकिन हुआ इसके विपरीत। एआइ चैटबॉट ने उसकी नकारात्मक सोच को न केवल बढ़ावा दिया बल्कि आत्महत्या जैसे कदम की तरफ उसका रुख और मजबूत कर दिया। बताया जाता है कि चैटबॉट ने उसे आत्महत्या के तरीके तक सुझा दिए। यह घटना केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। तकनीक चाहे कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, उसमें मानवीय संवेदनाओं और नैतिकता की गहराई नहीं हो सकती। मशीनें तथ्यों और डाटा के आधार पर काम करती हैं, लेकिन वे मानवीय भावनाओं की जटिलता और नाजुकता को नहीं समझ पातीं। ऐसे में अगर कोई अकेला या अवसादग्रस्त व्यक्ति मशीन को अपना मित्र मान ले, तो उसके भटकने की आशंका और भी बढ़ जाती है। आज की तेज़ रफ्तार ज़िंदगी में इंसान पहले ही रिश्तों और संवाद के संकट से गुजर रहा है। परिवार और समाज से दूरी, डिजिटल व्यस्तता और सोशल मीडिया की कृत्रिम दुनिया ने इंसान को भीतर से अकेला कर दिया है। ऐसे माहौल में एआइ चैटबॉट या वर्चुअल असिस्टेंट लोगों को तात्कालिक राहत तो दे सकते हैं, लेकिन वे वास्तविक मानवीय रिश्तों का विकल्प नहीं हो सकते। मनुष्य की तकलीफ को समझकर उसे सहानुभूति और दया देने का काम केवल दूसरा इंसान ही कर सकता है। सवाल यह भी है कि तकनीक विकसित करने वाली कंपनियां कितनी जिम्मेदारी निभा रही हैं? क्या उन्होंने यह सोचा कि उनके चैटबॉट या एआइ सिस्टम का इस्तेमाल किस तरह की परिस्थितियों में हो सकता है? अगर कोई व्यक्ति मानसिक संकट में है, तो क्या एआइ को इस तरह प्रशिक्षित नहीं किया जाना चाहिए कि वह हानिकारक सुझाव देने के बजाय तुरंत पेशेवर मदद की सलाह दे? यह कंपनियों के लिए केवल तकनीकी ही नहीं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी का भी सवाल है। इस घटना से हमें यह सीखना चाहिए कि तकनीक का इस्तेमाल केवल एक साधन की तरह किया जाए, न कि जीवन का विकल्प मान लिया जाए।

"मिशन सुदर्शन चक्र: पौराणिक नीति से प्रेरित 21वीं सदी की समग्र राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति"

-2035 तक का रोडमैप: आत्मनिर्भर और सुरक्षित भारत

भारत की सभ्यता हजारों वर्षों पुरानी है। इस लंबे सफर में भारतीय समाज ने धर्म, दर्शन, नीति, कला और संस्कृति से अनगिनत प्रेरणाएँ ली हैं। महाभारत, रामायण, वेद और पुराण केवल धार्मिक ग्रंथ ही नहीं हैं, बल्कि नीति और जीवन-दर्शन के अद्वितीय स्रोत भी हैं। इन कथाओं में दिए गए प्रतीक और संदेश आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सहस्राब्दियों पहले थे। आधुनिक युग की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हमें बदलते समय के साथ विज्ञान और तकनीक में महारत हासिल करनी है, लेकिन साथ ही अपनी सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं को भी बनाए रखना है। जब भारत राष्ट्रीय सुरक्षा का नया अध्याय लिख रहा है, तब महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण का सुदर्शन चक्र हमारी प्रेरणा बनता है। यह केवल युद्ध का हथियार नहीं था, बल्कि नीति, धैर्य, तीव्रता और निर्णायक शक्ति का प्रतीक था। आज जब प्रधानमंत्री ने "सुदर्शन चक्र मिशन" की घोषणा की है, तो यह केवल एक सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा की व्यापक अवधारणा है। इसमें सैन्य खतरों से रक्षा, साइबर सुरक्षा, आर्थिक प्रगति की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मजबूती—सब शामिल हैं। यह मिशन दर्शाता है कि कैसे भारत पौराणिक मूल्यों को आधुनिक तकनीक और नीति में बदलकर भविष्य की राह तय कर सकता है।

पौराणिक दृष्टि और नीति का महत्व

महाभारत और श्रीकृष्ण का सुदर्शन चक्र

महाभारत का युद्ध केवल शस्त्रों का युद्ध नहीं था, बल्कि नीति, रणनीति और धर्म-अधर्म के संघर्ष का युद्ध भी था। श्रीकृष्ण ने सुदर्शन चक्र को अपने हाथ में लेकर न केवल शत्रु को परास्त किया, बल्कि मित्रों को साहस और विश्वास भी दिया। यह चक्र एक क्षण में युद्ध की दिशा बदलने की क्षमता रखता था। आज भारत इसी भाव को अपनाते हुए "सुदर्शन चक्र मिशन" के माध्यम से यह संदेश देता है कि आधुनिक तकनीक और नीति मिलकर राष्ट्र को सुरक्षित रख सकते हैं।

नीति शास्त्र और आधुनिक रणनीति

कौटिल्य का अर्थशास्त्र कहता है—"सुरक्षा ही समृद्धि की नींव है।" यदि राष्ट्र सुरक्षित है, तभी व्यापार, शिक्षा, उद्योग और कला फल-फूल सकते हैं। यही विचार प्रधानमंत्री के उस कथन में झलकता है कि "समृद्धि सुरक्षा पर निर्भर है। यदि सुरक्षा उपेक्षित हो, तो समृद्धि व्यर्थ हो जाती है।"

21वीं सदी की चुनौतियाँ

आज की दुनिया महाभारत के युद्ध से अलग है, लेकिन खतरे कम नहीं हुए हैं। वे नए रूपों में सामने आए हैं। आतंकवाद और सीमा पार खतरे – पड़ोसी देशों से आतंकवाद का समर्थन, घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और अस्थिरता की कोशिशें। साइबर हमले और डिजिटल युद्ध – बैंकिंग प्रणाली, रेलवे, एयरपोर्ट, रक्षा संचार, यहाँ तक कि सोशल मीडिया पर भी लगातार साइबर हमले होते रहते हैं। आर्थिक सुरक्षा – वैश्विक प्रतिस्पर्धा और आर्थिक युद्ध में यदि हमारी संस्थाएँ सुरक्षित न हों, तो प्रगति रुक सकती है। पर्यावरणीय और जैविक सुरक्षा – महामारी, जल संकट, जलवायु परिवर्तन और जैविक हथियार जैसी नई चुनौतियाँ। ये सारी चुनौतियाँ दर्शाती हैं कि केवल सीमा की सुरक्षा पर्याप्त नहीं है। आज समग्र सुरक्षा की आवश्यकता है।

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का विकास (पिछले 10 वर्ष)

बीते दशक में भारत ने कई बड़े कदम उठाए हैं: रक्षा आधुनिकीकरण – राफेल विमान, स्वदेशी तेजस, अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलें, एंटी-सैटेलाइट क्षमता। अंतरिक्ष और तकनीक – इसरो की प्रगति, गगनयान, रक्षा उपग्रह। आंतरिक सुरक्षा – आतंकवाद पर नियंत्रण, जम्मू-कश्मीर में बड़े सुधार, उत्तर-पूर्व में शांति समझौते। अंतरराष्ट्रीय सहयोग – क्वाड, ब्रिक्स, जी-20 और इंडो-पैसिफिक रणनीति में भारत की सक्रिय भागीदारी। भारत ने यह दिखा दिया है कि वह केवल रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक क्षमता भी रखता है।

सुदर्शन चक्र मिशन का परिचय

यह मिशन भारत के लिए एक बहुआयामी सुरक्षा कवच है। सैन्य आयाम – आधुनिक हथियार, ड्रोन, हाइपरसोनिक मिसाइलें और स्पेस टेक्नोलॉजी। साइबर आयाम – क्वांटम कंप्यूटिंग, एआई आधारित साइबर डिफेंस, डिजिटल सुरक्षा दीवार। आर्थिक आयाम – बैंकों, वित्तीय संस्थाओं और औद्योगिक ढाँचे की रक्षा। संस्थागत आयाम – लोकतांत्रिक संस्थाओं, चुनाव प्रणाली और मीडिया की सुरक्षा।

सुदर्शन चक्र और महाभारत की प्रेरणा

सुदर्शन चक्र युद्ध में केवल शत्रु को समाप्त करने का हथियार नहीं था, बल्कि नीति का प्रतीक था। यह तीव्र गति और अदृश्य शक्ति का प्रतीक है। यह धर्म की रक्षा और अधर्म के विनाश का प्रतीक है। यह साहस और आत्मविश्वास जगाने वाला प्रेरणास्रोत है। मिशन को यह नाम देकर सरकार ने यह संदेश दिया है कि यह केवल हथियार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प है।

2035 तक का रोडमैप

भारत ने इस मिशन के लिए अगले दस वर्षों का एक स्पष्ट खाका बनाया है: सैन्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता – रक्षा उपकरणों का स्वदेशी उत्पादन, मेक इन इंडिया रक्षा क्षेत्र। साइबर सुरक्षा ढाँचा – विश्वस्तरीय साइबर कमांड, एथिकल हैकिंग और डिजिटल आर्मी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम तकनीक – भविष्य के युद्ध इन्हीं पर आधारित होंगे। आर्थिक मजबूती – ऊर्जा सुरक्षा, सेमीकंडक्टर और डिजिटल भुगतान प्रणाली का संरक्षण। कूटनीतिक पहल – पड़ोसियों से संतुलन और वैश्विक मंचों पर सक्रिय भूमिका।

प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण और संदेश

प्रधानमंत्री ने साफ कहा है—"समृद्धि का कोई अर्थ नहीं यदि सुरक्षा कमजोर हो।" "आत्मनिर्भर भारत ही सुरक्षित भारत है।" "हमारी प्रगति का आधार हमारी सुरक्षा है।" यह संदेश जनता और युवा पीढ़ी दोनों के लिए प्रेरणादायक है।

समग्र सुरक्षा और प्रगति का समन्वय

राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सरकार का काम नहीं है। इसमें हर नागरिक की भागीदारी है। वैज्ञानिक – नई तकनीकें विकसित करें। युवा – साइबर सुरक्षा, रक्षा तकनीक और अनुसंधान में योगदान दें। नागरिक समाज – जागरूकता और जिम्मेदारी निभाए। सुरक्षा और विकास दोनों पहियों पर चलकर ही भारत विश्वगुरु बन सकता है।

पौराणिक नीति से आधुनिक

भविष्य की ओर

सुदर्शन चक्र मिशन केवल रक्षा की नई तकनीक नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय विचारधारा है। यह हमें याद दिलाता है कि जब तक नीति, साहस और तकनीक साथ नहीं होंगे, तब तक राष्ट्र सुरक्षित नहीं हो सकता। महाभारत के श्रीकृष्ण का सुदर्शन चक्र आज 21वीं सदी के भारत में संपूर्ण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गया है। 2035 तक का रोडमैप भारत को न केवल सैन्य शक्ति देगा, बल्कि आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से भी अजेय बनाएगा। भारत ने इतिहास से प्रेरणा लेकर भविष्य का रास्ता चुना है। यही है—नीति की शक्ति से चुनौतियों पर विजय और समृद्ध भारत का निर्माण।

मिशन सुदर्शन चक्र के सामाजिक और वैश्विक आयाम

सुरक्षा केवल युद्ध के मोर्चे तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह समाज और नागरिक जीवन के हर हिस्से से जुड़ी होती है। यदि नागरिक सुरक्षित महसूस करें, तभी वे स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकते हैं और राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे सकते हैं। इस दृष्टि से मिशन सुदर्शन चक्र केवल सेना या तकनीक का मिशन नहीं है, बल्कि समग्र समाज का सुरक्षा कवच है।

सामाजिक आयाम

शिक्षा और जागरूकता – नागरिकों को साइबर सुरक्षा, फेक न्यूज़ और डिजिटल हमलों से बचाव की ट्रेनिंग देना। युवाओं की भूमिका – भारत की बड़ी आबादी युवा है। मिशन उन्हें स्टार्टअप्स, इनोवेशन और रिसर्च में भागीदारी का मौका देगा। महिलाओं की सुरक्षा – डिजिटल प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी मिशन का एक अहम हिस्सा होगा।

"बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत के आधे-अधूरे उपाय: अतिक्रमण, लापरवाही और आपदा प्रबंधन की कमजोरियाँ"

भारत जैसे विशाल देश में मानसून का आगमन किसी वरदान से कम नहीं माना जाता। किसान इसकी राह देखते हैं, सूखी धरती पानी से सराबोर होती है और पेड़-पौधे, खेत-खलिहान जीवन से भर उठते हैं। लेकिन यही बरसात जब अनियंत्रित होकर नदियों-नालों, तालाबों और जलस्रोतों का रास्ता रोक लेती है, तब यह वरदान अभिशाप में बदल जाता है। पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल जैसे प्रदेशों में लगातार बाढ़ की विभीषिका सामने आती रही है। बाढ़ का असली कारण केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि मानवजनित गलतियाँ और प्रशासन की लापरवाही भी है। राहत और बचाव के आधे-अधूरे उपाय इस संकट को और बढ़ा देते हैं। जिन इलाकों में पानी का बहाव रोक दिया गया, जहाँ तालाबों और नालों का गला घोंट दिया गया, वही क्षेत्र आज पानी में डूबकर तबाही झेल रहे हैं।

अतिक्रमण और विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन

बाढ़ की सबसे बड़ी वजह है – जल स्रोतों और नालों पर बढ़ते अतिक्रमण। गाँवों में नाले पाटकर खेती की जाने लगी, शहरों में तालाबों की जमीन पर कॉलोनियाँ बसा दी गईं और नगर निकायों ने तो बाकायदा पट्टे जारी करके तालाबों का अस्तित्व मिटा दिया। वर्षाजल को हमेशा से प्राकृतिक रास्ते चाहिए। नदियों और नालों का फैलाव बरसात में कई गुना बढ़ जाता है। लेकिन जब ये रास्ते घरों, दुकानों, सड़कों और पुलियों से रोक दिए जाते हैं तो पानी वहीं जमा होकर बस्ती में घुसता है। यही कारण है कि बरसात के दिनों में शहरों की सड़कें नदी का रूप ले लेती हैं और गाँवों के घर जलमग्न हो जाते हैं।

प्रशासनिक लापरवाही और आपदा प्रबंधन की कमजोरी

आपदा प्रबंधन का अर्थ है – आपदा से पहले ही तैयारी करना, ताकि नुकसान कम से कम हो। लेकिन हमारे यहाँ अधिकतर मामलों में प्रशासन तब जागता है, जब संकट सिर पर आ जाता है। कई जिलों में बाढ़ से पहले नालों की सफाई तक नहीं होती। पुराने बांधों और पुलों की मजबूती की जाँच नहीं की जाती। जलभराव वाले इलाकों में पहले से चेतावनी देने की कोई व्यवस्था नहीं रहती। राहत और बचाव दल के पास आधुनिक उपकरण और नावों की कमी रहती है। नतीजा यह होता है कि जब पानी बढ़ता है, तो प्रशासन हाथ-पाँव मारने लगता है। लोग खुद को अपने स्तर पर बचाने की कोशिश करते हैं और कई बार जान गँवानी पड़ती है।

अधूरे राहत उपाय – कागजी खानापूर्ति

जब भी बाढ़ आती है, सरकार और प्रशासन बड़े दावे करते हैं। राहत शिविर, खाद्य सामग्री, दवा वितरण और पशुओं के लिए चारा मुहैया कराने की घोषणाएँ होती हैं। लेकिन वास्तविकता अलग है – राहत शिविरों की कमी – कई प्रभावित इलाकों में समय पर शिविर नहीं खुलते। लोग खुले आसमान के नीचे दिन-रात बिताने को मजबूर होते हैं। खाद्य सामग्री का असमान वितरण – कहीं राहत सामग्री पहुँचती ही नहीं, तो कहीं पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुँचती। स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव – बाढ़ के बाद बीमारियाँ फैलने लगती हैं, मगर दवाइयाँ और मेडिकल टीम समय पर उपलब्ध नहीं होती। मुआवज़े की देरी – जिनके घर टूट गए, खेत बह गए, मवेशी मर गए, उन्हें मुआवज़ा महीनों तक नहीं मिल पाता। इस तरह राहत के उपाय आधे-अधूरे रह जाते हैं और लोगों की पीड़ा बढ़ाते हैं।

लोगों की लापरवाही और दुस्साहस एक और बड़ी समस्या है – आम लोगों की लापरवाही। प्रशासन बार-बार चेतावनी देता है कि पुलिया और रपट पर पानी बह रहा हो तो वहाँ से न गुजरा जाए, लेकिन लोग जोखिम उठाकर अपनी गाड़ी निकालने की कोशिश करते हैं। कई बार यही लापरवाही जानलेवा साबित होती है। प्रदेश में दर्जनों मामले सामने आए हैं, जहाँ लोग कार या बाइक लेकर पानी में घुसे और तेज बहाव में बह गए। यह स्थिति केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि जनता की भी जिम्मेदारी है।

बाढ़ से होने वाला बहुआयामी नुकसान

बाढ़ केवल मकानों और सड़कों को नुकसान नहीं पहुँचाती, बल्कि इसकी मार लंबे समय तक झेलनी पड़ती है। आर्थिक नुकसान – फसलें नष्ट हो जाती हैं, किसानों का साल भर का श्रम डूब जाता है। छोटे व्यापारी और मजदूर रोज़गार से वंचित हो जाते हैं। सामाजिक संकट – बाढ़ग्रस्त लोग अपने गाँव-घर छोड़कर राहत शिविरों या सुरक्षित जगहों पर शरण लेते हैं। विस्थापन से सामाजिक ढाँचा टूटता है। स्वास्थ्य खतरे – गंदा पानी और मच्छरों की बढ़ोतरी से डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड जैसी बीमारियाँ फैलने लगती हैं। शिक्षा पर असर – स्कूल जलमग्न हो जाते हैं, कई हफ्तों तक पढ़ाई ठप रहती है। बच्चों का भविष्य प्रभावित होता है। मानसिक आघात – जिन परिवारों ने अपने प्रियजन खोए, वे लंबे समय तक मानसिक तनाव से गुजरते हैं।

आपदा प्रबंधन की दिशा में ज़रूरी कदम

इस संकट से निपटने के लिए केवल तात्कालिक राहत नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति की ज़रूरत है।

जलस्रोतों का संरक्षण

नालों, तालाबों और जोहड़ों को पाटने पर सख्त पाबंदी हो। पहले से किए गए अतिक्रमणों को हटाया जाए। नगर निकाय और ग्राम पंचायतें प्राकृतिक जल प्रवाह को खुला रखें।

आधुनिक चेतावनी प्रणाली

नदी-नालों पर सेंसर और रडार आधारित सिस्टम लगाए जाएँ। मोबाइल अलर्ट और साइरन से समय रहते लोगों को सूचना दी जाए।

इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूती

पुराने बांधों, पुलों और रपटों की हर साल मॉनसून से पहले जाँच हो। नालों और सीवर सिस्टम की समय पर सफाई की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में पक्के तटबंध बनाए जाएँ।

राहत प्रबंधन में पारदर्शिता

राहत सामग्री का वितरण डिजिटली ट्रैक हो। मुआवज़ा सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजा जाए। स्वास्थ्य टीम और एंबुलेंस तुरंत सक्रिय हों।

जनजागरूकता

लोगों को यह समझाना ज़रूरी है कि बाढ़ के समय जोखिम उठाना मौत को न्योता देना है। स्कूलों और पंचायत स्तर पर आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग दी जाए। सामुदायिक स्वयंसेवकों का नेटवर्क तैयार किया जाए।

जलवायु परिवर्तन का असर

आज बाढ़ की तीव्रता केवल अतिक्रमण और लापरवाही से नहीं बढ़ी है, बल्कि जलवायु परिवर्तन ने भी इसे और खतरनाक बना दिया है। मानसून का पैटर्न बदल रहा है – कभी लंबे सूखे, तो कभी अचानक मूसलधार बारिश। इससे नदियाँ और नाले पल भर में उफान पर आ जाते हैं। इसलिए भविष्य की रणनीति बनाते समय हमें ग्लोबल वार्मिंग और बदलते मौसम की सच्चाई को ध्यान में रखना होगा। बाढ़ प्राकृतिक आपदा है, लेकिन इसका विकराल रूप मनुष्य की गलतियों और प्रशासनिक उदासीनता से पैदा होता है। तालाबों, नालों और जलस्रोतों का अतिक्रमण करके हमने खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारी है। राहत और बचाव के आधे-अधूरे उपाय केवल दिखावा साबित होते हैं।

बहादुर शाह ज़फ़र – आख़िरी मुग़ल बादशाह

-1857 की ग़दर और ज़फ़र की भूमिका

भारत का इतिहास जब भी लिखा जाता है, तो उसमें मुग़ल सल्तनत का ज़िक्र ज़रूर आता है। बाबर से शुरू हुई यह सल्तनत एक समय पूरी दुनिया में अपनी शान-ओ-शौकत और इल्म-ओ-फ़न के लिए मशहूर थी। मगर समय की करवट और बदलते हालातों ने धीरे-धीरे इस शाही ख़ानदान को पतन की ओर ढकेल दिया। 19वीं सदी तक आते-आते दिल्ली के तख़्त पर बैठा बादशाह सिर्फ़ नाम का शहंशाह रह गया था। उसकी हुकूमत सिर्फ़ लाल क़िला और उसके आस-पास तक सिमट कर रह गई थी। ऐसे ही हालात में गद्दी पर बैठे थे बहादुर शाह ज़फ़र – मुग़ल सल्तनत के आख़िरी बादशाह। ज़फ़र का ज़िक्र इसलिए भी अहम है कि वे सिर्फ़ ताजदार-ए-दिल्ली ही नहीं थे, बल्कि एक सच्चे शायर, सूफ़ी तबीयत इंसान और 1857 की पहली जंग-ए-आज़ादी के प्रतीक भी बने। मगर उनका अंजाम बहुत दर्दनाक रहा। अंग्रेज़ों ने उन्हें पकड़कर दिल्ली से दूर बर्मा (आज का म्यांमार) के रंगून भेज दिया, जहाँ ग़रीबी, तन्हाई और गुमनामी में उनका इंतक़ाल हुआ।

बचपन और तालीम

बहादुर शाह ज़फ़र का जन्म 24 अक्तूबर 1775 को दिल्ली में हुआ। उनके वालिद अकबर शाह द्वितीय थे। अकबर शाह द्वितीय ख़ुद भी अंग्रेज़ों के दबाव में एक कमज़ोर बादशाह थे। बहादुर शाह ज़फ़र की वालिदा का नाम लालबाई था। बचपन से ही ज़फ़र की रुचि तख़्त-ओ-ताज और सियासत से ज़्यादा इल्म, अदब और शायरी की दुनिया में थी। उन्होंने फ़ारसी और उर्दू ज़बान में शिक्षा पाई। उनकी तबीयत नर्म, सूफ़ियाना और आध्यात्मिक थी। यही वजह थी कि वे दिल्ली की गली-कूचों में मज़हबी इन्सानियत और मोहब्बत का पैग़ाम देने वाले सूफ़ी फ़क़ीरों से बहुत क़रीब रहते थे।

गद्दी पर बैठना

सन 1837 में जब अकबर शाह द्वितीय का इंतक़ाल हुआ, तो बहादुर शाह ज़फ़र दिल्ली के तख़्त पर बैठे। उस वक़्त वे उम्र के लिहाज़ से 62 बरस के थे। हक़ीक़त ये थी कि गद्दी पर बैठने के बावजूद उनकी असल हुकूमत सिर्फ़ लाल क़िले तक सीमित थी। दिल्ली शहर और हिंदुस्तान का असली इख़्तियार (सत्ता) अंग्रेज़ ईस्ट इंडिया कंपनी के हाथ में था। मगर ज़फ़र को इस बात की परवाह नहीं थी। वे अपनी दुनिया में शायरी, अदब और सूफ़ियाना महफ़िलों में मशग़ूल रहते। उनके दरबार में उस वक़्त के बड़े-बड़े शायर आते – मीरज़ा ग़ालिब, ज़ौक़, मोमिन, दाग़ वग़ैरह। ज़फ़र ख़ुद भी शायरी में माहिर थे और 'ज़फ़र' तख़ल्लुस से शेर कहते थे।

शख़्सियत और शायरी

ज़फ़र की शायरी उनके दर्द, तन्हाई और मज़हबी रूहानियत की गवाही देती है। वे मोहब्बत, इंसानियत और इश्क़-ए-इलाही के तर्जुमा थे। उनकी ग़ज़लों और अशआर में फ़ना और हिज्र का रंग साफ़ नज़र आता है। उनके मशहूर शेरों में से एक शेर है जो उनकी ज़िंदगी का आइना बन गया – "कितना है बदनसीब 'ज़फ़र' दफ़्न के लिए, दो गज़ ज़मीं भी न मिली कू-ए-यार में।" इस शेर में उनका दर्द साफ़ झलकता है कि उन्हें अपने मुल्क की मिट्टी में भी दफ़्न नसीब नहीं हुई।

1857 की ग़दर और ज़फ़र की भूमिका

1857 का साल हिंदुस्तान की आज़ादी की जंग का पहला बड़ा मोड़ साबित हुआ। इसे "ग़दर" या "पहली जंग-ए-आज़ादी" कहा जाता है। अंग्रेज़ों की हुकूमत, उनके अत्याचार और ईस्ट इंडिया कंपनी की लालच से परेशान हिंदुस्तानी सिपाहियों और आम जनता ने बग़ावत कर दी। दिल्ली इस बग़ावत का सबसे बड़ा मरकज़ बना। बग़ावत करने वाले सिपाही लाल क़िले पहुँचे और उन्होंने बहादुर शाह ज़फ़र को हिंदुस्तान का बादशाह और इस जंग का सरग़ना घोषित कर दिया। असल में, ज़फ़र उस वक़्त तक बूढ़े और कमज़ोर हो चुके थे। उनके पास न तो फ़ौज थी, न ही हथियार, न ही सियासी ताक़त। मगर हिंदुस्तानी सिपाहियों ने उन्हें अपने सरदार के तौर पर सामने रखा ताकि पूरी क़ौम को एक ध्वज तले जोड़ा जा सके। ज़फ़र ने मजबूरी और वक़्त की मांग के चलते इस बग़ावत की अगुवाई स्वीकार कर ली।

अंग्रेज़ों का हमला और दिल्ली का पतन

शुरू में ग़दर बहुत तेज़ी से बढ़ा। कई इलाक़े अंग्रेज़ों से आज़ाद हो गए। मगर धीरे-धीरे अंग्रेज़ों ने अपनी ताक़त इकट्ठी की और दिल्ली पर हमला बोल दिया। सितंबर 1857 में अंग्रेज़ों ने दिल्ली पर कब्ज़ा कर लिया। शहर में क़त्लेआम हुआ, हजारों लोग मारे गए। लाल क़िला अंग्रेज़ों के क़ब्ज़े में चला गया। ज़फ़र को लाल क़िले से गिरफ़्तार कर लिया गया। उनके बेटों और पोतों को अंग्रेज़ों ने बेरहमी से क़त्ल कर दिया।

मुक़दमा और सज़ा

ज़फ़र को अंग्रेज़ों ने लाल क़िले में ही एक नकली अदालत में पेश किया। उन पर इल्ज़ाम लगाया गया कि उन्होंने अंग्रेज़ी हुकूमत के ख़िलाफ़ बग़ावत की, सिपाहियों को भड़काया और ख़ून-ख़राबा कराया। कमज़ोर बूढ़े ज़फ़र के पास अपनी सफ़ाई में कहने को कुछ भी नहीं था। अदालत ने उन्हें तख़्त से उतारने, उनकी तमाम जायदाद ज़ब्त करने और हिंदुस्तान से दूर-दराज़ भेजने का फ़ैसला सुनाया।

बर्मा (रंगून) की कैद

1858 में बहादुर शाह ज़फ़र को उनकी बेग़म ज़ीनत महल और कुछ ख़ानदानियों के साथ बर्मा (अब म्यांमार) के रंगून भेज दिया गया। वहाँ उन्हें अंग्रेज़ों ने एक तंग और ग़रीबाना मकान में कैद कर दिया। दिल्ली के तख़्त पर बैठा कभी शहंशाह, जिसने अपने दरबार में ग़ालिब और ज़ौक़ जैसे शायरों को देखा था, अब एक ग़रीब कैदी बन चुका था। रंगून में उनकी हालत बेहद ख़राब रही। न इलाज, न आराम, न वह इज़्ज़त – बस गुमनामी और तन्हाई।

इंतक़ाल और गुमनामी

7 नवंबर 1862 को बहादुर शाह ज़फ़र ने रंगून की उसी कैदख़ाने में दम तोड़ दिया। उनकी उम्र उस वक़्त 87 साल थी। उन्हें वहीं रंगून की मिट्टी में बिना किसी शाही रस्म के दफ़्ना दिया गया। उनकी कब्र पर कोई नाम-ओ-निशान तक नहीं छोड़ा गया। सालों बाद उनकी मज़ार पर एक साधारण सी क़ब्र बनाई गई, जो आज भी रंगून में मौजूद है।

ज़फ़र की विरासत

बहादुर शाह ज़फ़र की ज़िंदगी हमें कई सीख देती है – कमज़ोर सल्तनत का हश्र: अगर कोई हुकूमत अपनी ताक़त, फ़ौज और इख़्तियार खो देती है, तो वह सिर्फ़ नाम की रह जाती है। मोहब्बत और इंसानियत का पैग़ाम: ज़फ़र एक शायर और सूफ़ी थे, जिन्होंने हमेशा मोहब्बत, अमन और इंसानियत की बातें कीं। आज़ादी की लौ: भले ही ज़फ़र बूढ़े और कमज़ोर थे, लेकिन 1857 की बग़ावत में उनका नाम हिंदुस्तानियों को एकजुट करने का बड़ा ज़रिया बना। उनकी शायरी आज भी लोगों के दिलों में ज़िंदा है। वे आख़िरी मुग़ल बादशाह ही नहीं, बल्कि उस हिंदुस्तान के प्रतीक भी थे जो गुलामी की बेड़ियों से आज़ादी की तलाश में तड़प रहा था।

जालोर जिले की भालनी ग्राम पंचायत के नवनिर्मित भवन व अमृता देवी राजकीय पुस्तकालय का लोकार्पण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य के उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के.विश्नोई ने शनिवार को जालोर जिले की भीनमाल पंचायत समिति की भालनी ग्राम पंचायत के नवनिर्मित भवन व अमृता देवी राजकीय पुस्तकालय का विधिवत रूप से फीता काटकर लोकार्पण किया। साथ ही, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भालनी में दो कक्षा-कक्ष मय हॉल का उद्घाटन व गौ माता चौक पर मूर्ति का अनावरण भी किया।

समारोह के मुख्य अतिथि विश्नोई ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में केन्द्र व राज्य सरकार वर्ष 2047 तक विकसित भारत व विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रगतिरत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्किल डवलपमेंट प्रोग्राम के माध्यम से राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नव अवसर सृजित कर रही है।

उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स के दौर में युवाओं को नवीनतम शिक्षा तकनीकों से अवगत कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बालिकाएं देश का भविष्य हैं अतः हमारा कर्तव्य बनता हैं कि हम उन्हें बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाएं जिससे देश सशक्त बने।

समारोह में सांसद लुम्बाराम चौधरी ने राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार आमजन के हितों के लिए कृतसंकल्पित है तथा किसानों व गरीबों के हितों के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है।

वन मंत्री ने जोधपुर में ली वन एवं पर्यावरण तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि "हरियालो राजस्थान" अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित न रहे बल्कि पौधों की देखभाल एवं संरक्षण को भी प्राथमिकता बनाना होगा। पौधारोपण तभी सार्थक है जब वे वृक्ष बनकर पीढ़ियों तक पर्यावरण और समाज को लाभ पहुंचाएँ। इसलिए लगाए गए प्रत्येक पौधे का जीवन सुरक्षित करना हमारी साझा जिम्मेदारी है।

शर्मा शनिवार को जोधपुर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर के सभागार में जोधपुर एवं फलौदी जिले के वन एवं पर्यावरण विभाग तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रगति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल भी उपस्थित रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि रीको, जेडीए एवं नगर निगम की ड्रेनेज व्यवस्था में जवाबदेही तय की जाए। जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यों की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित हो।

हरियालो राजस्थान अभियान - संरक्षण पर विशेष बल-

शर्मा ने जिले को मिले पौधारोपण लक्ष्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पौधों के रखरखाव की नियमित मॉनिटरिंग करने और त्रिस्तरीय मूल्यांकन प्रणाली को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग को विद्यालय स्तर पर विशेष पहल करने और पौधारोपण संबंधी डाटा पोर्टल पर समय पर अपडेट करने के निर्देश दिए।

उन्होंने 2024-25 एवं 2025-26 की बजट घोषणाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने वन क्षेत्र में ऐतिहासिक महत्व के भवनों के जीर्णोद्धार एवं पर्यटन को बढ़ावा देने वाले विकास कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

प्रदूषण नियंत्रण और खनन इकाइयों पर सख्त कार्यवाही-

शर्मा ने पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को औद्योगिक क्षेत्रों में कचरा निस्तारण और जल प्रदूषण की रोकथाम पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जोजरी नदी या रेजिडेंशियल एरिया में रंगाई-छपाई से जल प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। किसानों की फसलों को हानि पहुँचाने वाली इकाइयों से पीड़ितों को समय पर मुआवजा भी दिलवाया जाए।

उन्होंने खनन इकाइयों द्वारा नियमों का उल्लंघन कर प्रदूषण फैलाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने को कहा और निर्देश दिए कि अवैध माइनिंग व क्रेशर गतिविधियों पर तुरंत व प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित की जाए।

वन्यजीव संरक्षण और नवाचार पर जोर-

बैठक में वन मंत्री ने जिले के वन्यजीवों की सुरक्षा एवं घायल वन्यजीवों के त्वरित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वन विभाग ने कहा कि विभागीय नर्सरियों में देसी खाद उत्पादन का नवाचार किया जा रहा है, जिससे किसानों और आमजन को लाभ मिलेगा। साथ ही, जूलीफ्लोरा प्रभावित क्षेत्रों में रोकथाम प्रयासों की समीक्षा कर आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने "है नमन उनको" कार्यक्रम में वीरांगनाओं को सम्मानित किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राजस्थान वीर वीरांगनाओं की भूमि है। यहां की माताएं पालने में ही अपने बच्चों को वीरता का पाठ पढ़ा देती हैं। इसीलिए कहा गया है, "पूत सिखावे पालणै, मरण बड़ाई जाण।"

राज्यपाल बागडे शनिवार को एक होटल में "है नमन उनको" कार्यक्रम के अंतर्गत वीरांगना सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम मे पुरुषों के साथ महिलाओं ने साहस और वीरता की अद्त गाथाएं लिखी हैं। राष्ट्र उन तमाम माताओं के प्रति भी कृतज्ञ हैं जो अपने पुत्रों और पुत्रियों को सेना में भेजने में गौरव का अनुभव करती हैं।

उन्होंने कहा कि वीरांगनाओं का सम्मान हमारे देश की गौरवमयी परम्परा का पवित्र अनुष्ठान है।उन्होंने कालीबाई,रानी पद्मिनी, कर्मावती, राणी भटियाणी, जीजाबाई, हाड़ी राणी, पन्ना, दुर्गावती, झाँसी की रानी आदि वीरांगनाओं का स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया।

वाणिज्यिक वादों में पूर्व विवाद मध्यस्थता पर अधिवक्ता परिषद जयपुर प्रांत का स्टडी सर्किल

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । अधिवक्ता परिषद, जयपुर प्रांत की उच्च न्यायालय इकाई की ओर से गुरुवार को एआईआर पुस्तकालय में वाणिज्यिक वादों में पूर्व.विवाद मध्यस्थता विषय पर स्टडी सर्किल का आयोजन किया गया। गोष्ठी के अध्ययन प्रमुख नितिन जैन ने विषय की प्रस्तावना प्रस्तुत की और कहा कि वाणिज्यिक मामलों में पूर्व.विवाद मध्यस्थता न्यायिक प्रणाली के बोझ को कम करने और विवादों को समयबद्ध ढंग से निपटाने का प्रभावी माध्यम है। मुख्य वक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता आर के अग्रवाल ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वाणिजियक अधिनियम 2015 में अंतर्गत अनिवार्य प्री.लिटिगेशन मेडिएशन न्यायिक प्रक्रिया में क्रांतिकारी सुधार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पक्षकारों का समय और व्यय दोनों बचाता है। व्यापारिक संबंधों को बिगड़ने से रोकता है। न्यायालयीन भार को कम कर न्याय की गति को तेज करता है। अग्रवाल ने यह भी बताया कि कई पक्षकार इसे केवल औपचारिकता भार मानते हैं।

वर्तमान में दक्ष मध्यस्थों की कमी अभी भी एक बड़ी बाधा है। स्पष्ट नियमावली और समयबद्ध तंत्र के अभाव में प्रक्रिया लंबी हो जाती है। इसमें सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया गया कि सिविल प्रक्रिया संहिता में कुछ परिवर्तन आवश्यक हैं, ताकि यह प्रावधान प्रभावी बना सके। केस मैनेजमेंट व्यवस्था को अनिवार्य कर समयबद्ध निपटान सुनिश्चित किया जाए। अधिनियम और सीपीसी में तालमेल से पारदर्शिता और व्यवहारिकता दोनों सुनिश्चित हो सकती हैं। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष सोनिया शांडिल्य ने जबकि कार्यकारिणी सदस्य सुरभि अग्रवाल ने अधिवक्ता परिषद का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। अंत में इकाई अध्यक्ष धर्मेंद्र जैन और महामंत्री धर्मेंद्र बराला ने वरिष्ठ अधिवक्ता अग्रवाल को प्रतीक चिन्ह भेंट कर उपस्थित अधिवक्ता बन्धुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। क्षेत्रीय मंत्री कमल परसवाल, प्रांत महामंत्री अभिषेक सिंह, प्रांत उपाध्यक्ष सुतिक्ष्ण भारद्वाज सहित जिला न्यायालय इकाई के अधिवक्ता भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री रहे भीलवाड़ा जिले के एकदिवसीय दौरे पर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर शनिवार को भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहे। दिलावर आरसीएम वर्ल्ड में आयोजित सुविचार अभियान के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान दिलावर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ग्राम प्रधान व्यवस्था है और गांव हमारे आदर्श समाज की एक इकाई है। उन्होंने कहा कि औद्योगिकीकरण के कारण गांव की व्यवस्था कमजोर हो रही है। हमें प्रकृति और विज्ञान के बीच संतुलन बनाना होगा। उन्होंने भारत की विविधतापूर्ण जलवायु के संरक्षण पर बल दिया।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने कहा कि हमें पर्यावरण को बचाने के लिए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने समारोह में जल, जंगल और ज़मीन के पर्यावरण-अनुकूल उपयोग के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही, उन्होंने जिले में मनरेगा एवं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत किए जा रहे विकास कार्यो के बारे में भी चर्चा की।

शिक्षा मंत्री ने जिले में पदस्थापित शिक्षा अधिकारियों से किया संवाद:-

सुविचार अभियान संगोष्ठी के पश्चात दिलावर ने जिले में शिक्षा विभाग द्वारा नगर निगम सभागार में आयोजित शिक्षा अधिकारियों के संवाद कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षकगण को देश को श्रेष्ठ नागरिक देने का स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य का निर्माण शिक्षकों के हाथ में है, वे अपनी जिम्मेदारी को सजगता से निभाए। साथ ही, उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में कार्यरत प्रत्येक अधिकारी एवं शिक्षक अपने कर्तव्यों का अनुशासन से पालन करे, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उद्बोधन के पश्चात दिलावर ने जिले में कार्यरत प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों के साथ विभिन्न नवाचारो के बिंदुओं पर उनके विचार आमंत्रित करते हुए संवाद किया।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती अरुणा गारू ने शिक्षा के क्षेत्र में जिले की उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया साथ ही शिक्षा विभाग की अधिकारी डॉ. कल्पना अग्रवाल ने पीपीटी के माध्यम से शिक्षा विभाग के नवाचारो से आए गुणवत्तापूर्ण परिणामों पर चर्चा की।

वाणिज्यिक राज्य कर विभाग की प्रवर्तन शाखा की महत्वपूर्ण कार्यवाही

-कोचिंग सेंटर्स पर कसा शिकंजा, 93 करोड़ रुपये की वसूली की सुनिश्चित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य आयुक्त, वाणिज्यिक राज्य कर विभाग कुमार पाल गौतम द्वारा विभाग की समीक्षा बैठक में निर्देशित किया गया था की राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की कर देयता का विश्लेषण कर यह सुनिश्चित करें कि इनके द्वारा अपनी टैक्स लायबिलिटी की उचित और सही रूप में अदायगी की जाए, जिससे राज्य को मिलने वाला राजस्व पूर्ण रूप से सुनिश्चित हो सके। मुख्य आयुक्त के दिशा-निर्देशों की पालना में राज्य की प्रवर्तन शाखा के अधिकारियों ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के कर अदायगी के पैटर्न का गहन विश्लेषण किया। इसी के अंतर्गत राज्य के एक प्रमुख सेक्टर कोचिंग/ ट्रेनिंग सेक्टर के विश्लेषण पर पाया कि इन संस्थानों द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं पर कर दायित्व का सही रूप से निर्वहन नहीं किया जा रहा है। इन संस्थानों के द्वारा आपूर्ति का स्थान (प्लेस ऑफ सप्लाई) राजस्थान होने के बावजूद अन्य राज्यों में दर्शाया जा रहा था जिसके कारण राज्य को मिलने वाले राजस्व का नुकसान हो रहा था। जबकि इनके द्वारा इन सेवाओं पर एसजीएसटी और सीजीएसटी का भुगतान किया जाने का उत्तरदायित्व था । इन संस्थानों के द्वारा गलत प्लेस ऑफ सप्लाई घोषित किए जाने से राज्य को मिलने वाले राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा था। राज्य के मुख्य आयुक्त के निर्देश पर 28 अगस्त को वाणिज्यिक राज्य कर विभाग की प्रवर्तन शाखा ने कोटा स्थित चार कोचिंग संस्थानों पर इन तथ्यों के आधार पर कार्यवाही की। कार्यवाही में पाया गया कि गलत रूप से प्लेस ऑफ सप्लाई की घोषणा कर इन संस्थानों ने लगभग 93 करोड़ की सीजीएसटी और एसजीएसटी का दायित्व बनने के बावजूद कर नहीं चुकाया गया है। विभाग द्वारा अब इस राशि को वसूल करने के लिए नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। इसके अलावा राज्य की अन्य कोचिंग/प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा उचित कर अदायगी न करने पर नियमानुसार कार्यवाही द्वारा कर वसूली सुनिश्चित किए जाने का निर्णय लिया गया है। विभाग की इस कार्यवाही से सही प्लेस ऑफ सप्लाई की घोषणा और उचित कर अदायगी सुनिश्चित होने से हर माह लगभग 10 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। मुख्य आयुक्त ने बताया कि अन्य सेक्टर का भी गहन विश्लेषण किया जा रहा है, जिससे कर रिसाव रोकने और कम व उचित रूप से कर अदा नहीं करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

सरकार की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि है, इसमें कोई समझौता नहीं- संजय शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि जेरला स्थित अवैध 74 औद्योगिक इकाइयों का विद्त संबंध विच्छेद करते हुए आगामी पन्द्रह दिवस में बंद करवाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। इसके लिए नगर परिषद, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं जिला प्रशासन संयुक्त रूप से कार्यवाही करें। यह बात उन्होंने शनिवार को जिला कलक्टर सभागार में वन एवं पर्यावरण विभाग, जिले की बजट घोषणाओं, पौधारोपण व अन्य योजनाओं तथा विभागीय कार्यकलापों की समीक्षा बैठक के दौरान कही। उन्होने कहा कि किसानों के हक के साथ राज्य सरकार किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। कारखाने बंद करने पड़े तो करें। जो औद्योगिक ईकाईयां प्रदूषित पानी छोड़ रही है, उन पर तुरंत कार्यवाही की जानी सुनिश्चित करें। पर्यावरण संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि है, इसमें कोई समझौता नहीं।

संजय शर्मा ने कहा कि अधिकारी एक पेड़ मां के नाम एवं हरियालो राजस्थान अभियान के तहत वृक्षारोपण कर उनके रखरखाव हेतु आमजन को प्रेरित भी करें, पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रदूषण फैलानी वाली इकाइयों पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही करें और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से समन्वय रखते हुए विकास कार्य करें। उन्होने कहा कि एक पेड़ मां के नाम एवं हरियालो राजस्थान अभियान के तहत वृक्षारोपण के तहत लगाये गये पौधों का शत प्रतिशत जीयो टैग करें।

शर्मा ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत जिले को मिले 16.75 लाख पौधरोपण लक्ष्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं रखरखाव हेतु अपनाए जा रहे उपायों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जो पौधे किसी कारणवश जीवित नहीं रह पाते, उनके स्थान पर नए पौधे लगाए जाएं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पौधारोपण और सुरक्षा के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने एजेंडावार समीक्षा करते हुए 2024-25 एवं 2025-26 की विभाग के संबंध में की गई बजट घोषणाओं एवं जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों में गति लाने को कहा व वन क्षेत्र में ऐतिहासिक महत्व के भवनों के रख-रखाव व जीर्णोद्वार के निर्देश दिए जिससे कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके। शर्मा ने पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ वातावरण के लिए कचरा निस्तारण पर विशेष जोर देते हुए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। साथ ही खनन इकाइयों द्वारा नियमों का उल्लंघन कर प्रदूषण फैलाने पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड सुनिश्चित करें कि औद्योगिक इकाइयां नियमानुसार कार्यवाही करें, अपशिष्टों का उचित निस्तारण करें एवं किसानों की फसलों को औद्योगिक इकाइयों से किसी प्रकार की हानि नहीं पहुंचे। उन्होने विभाग द्वारा किए जा रहे नवाचार पर भी चर्चा की और ग्राम वन सुरक्षा एवं प्रबंध समितियों के माध्यम से करवाए जा रहे कार्यों एवं चुनावों संबंधी आवश्यक जानकारी जनप्रतिनिधियों के साथ समय समय पर साझा करने को कहा। उन्होंने वन क्षेत्रों में सड़क व अन्य कार्यों के प्रस्ताव भिजवाने, एनओसी लेने व कार्य करते समय जनप्रतिनिधियों व अन्य संबंधित विभागों से समन्वय रखने को कहा।

बैठक में जनप्रतिनिधि, उद्योगपति एवं जिला प्रशासन व वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक पश्चात वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री संजय शर्मा ने जिला कलक्टर कार्यालय परिसर में पौधारोपण कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण करने एवं अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया।

राज्य सरकार सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय के संकल्प के साथ आमजन के कल्याण के लिए निरंतर कर रही कार्य - उप मुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय के संकल्प के साथ आमजन के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ऐसे में यह आवश्यक है कि अधिकारी पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे, यह सुनिश्चित करें। उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को जैसलमेर के कलेक्ट्रेट सभागार में जैसलमेर व बाड़मेर जिले के सार्वजनिक निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं, एमओयू एवं विकास से जुड़ी विभागीय योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही या शिथिलता किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से करें पूर्ण-

उप मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिले में चल रहे सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से पूरा करें। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि यदि किसी कार्य में गुणवत्ता से समझौता एवं अनावश्यक देरी की जाती है, तो जिम्मेदार ठेकेदारों एवं अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएंगी। उन्होंने अनावश्यक देरी एवं गुणवत्ताहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश भी दिए गए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागीय अधिकारी टूटी हुई सड़कों की मरम्मत को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल पूरा करें, ताकि आमजन को राहत मिल सके। साथ ही, उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं कार्यों की प्रगति की साप्ताहिक रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सर्वोच्च प्राथमिकता-

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसलमेर व बाड़मेर का सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक वैभव न केवल राजस्थान बल्कि पूरे भारत की धरोहर है। उन्होंने निर्देश दिए कि इस धरोहर को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए पर्यटन अधोसंरचना को सुदृढ़ किया जाए एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

बैठक में उप मुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं के तहत स्वीकृत कार्यों एवं एमओयू की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसलमेर व बाड़मेर में पर्यटन को बढ़ावा देने की असीम संभावनाएं हैं। विभिन्न स्थलों को व्यवस्थित एवं योजनाबद्ध रुप से एक विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाएं स्थानीय रोजगार एवं सांस्कृतिक संरक्षण को ध्यान में रखते हुए लागू की जाएं।

महिलाओं व बच्चों के पोषण, सुरक्षा एवं सशक्तीकरण को देवरीयता-

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिलाओं एवं बच्चों के पोषण, सुरक्षा एवं सशक्तीकरण की योजनाओं को वरीयता के आधार पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जाए। साथ ही, कहा कि राज्य सरकार की सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना को साकार करने में महिला एवं बाल कल्याण की योजनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यप्रणाली, विभागीय योजनाओं के सुचारु संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय पर पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए।

कनिष्ठ अभियन्ता संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2024 सफल अभ्यर्थी विस्तृत आवेदन 30 अगस्त से भरें

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित कनिष्ठ अभियन्ता(सिविल-डिग्री व यांत्रिकी-डिग्री/डिप्लोमा) संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2024 में सफल सूचीबद्ध अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाईन विस्तृत आवेदन सह परिनिरीक्षा फॉर्म भरने हेतु 30 अगस्त से 3 सितम्बर तक लिंक खोला जा रहा है। दस्तावेज सत्यापन हेतु सूचीबद्ध अभ्यर्थी http://sso.rajasthan.gov.in पर विस्तृत आवेदन सह परिनिरीक्षा फॉर्म (Detailed Form Cum Scrutiny) को मय आवष्यक दस्तावेज के साथ भरा जाना सुनिष्चित करें।

जल संसाधन विभाग के नोडल अधिकारी एवं अधीक्षण अभियन्ता (वादकरण) औंकार बेरवाल ने बताया कि सूचीबद्ध अभ्यर्थियों की पात्रता की जाँच एवं दस्तावेजों का सत्यापन 1 सितम्बर से 7 सितम्बर तक समय सारणी के अनुसार हरिशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान,जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर के पटेल भवन कक्ष में किया जावेगा। सूचीबद्ध अभ्यर्थी पात्रता की जाँच एवं दस्तावेजों के सत्यापन हेतु उनके रोल नम्बर के आगे अंकित निर्धारित दिनांक एवं समय पर आवश्यक रूप से उपस्थित होवें।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

भजनलाल शर्मा ने 'द गिविंग गोल' कैम्पेन के पोस्टर का विमोचन किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में 'द गिविंग गोल' कैम्पेन के पोस्टर का विमोचन किया। इस दौरान जयश्री पेरिवाल इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 8 के छात्र अव्यान, रूद्रांश एवं भरत ने मुख्यमंत्री को कैम्पेन से संबंधित जानकारी दी।

अल बयान और मल्टीवर्स एकेडमी ने MVSAT परीक्षा के जरिए होनहार और जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित की छात्रवृत्तियाँ

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा में समान अवसर और समावेशिता की मिसाल पेश करते हुए अल बयान पब्लिक स्कूल और मल्टीवर्स एकेडमी, कोटा ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया। रविवार को आयोजित उद्घाटन समारोह के अवसर पर आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को "MV-SAT स्कॉलरशिप" प्रदान की गई। यह छात्रवृत्ति उन विद्यार्थियों के लिए आशा की एक नई किरण है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ा सपना देख रहे हैं। इस दौरान सोनाक्षी, महिरा, गौरी योगी, तल्हा, शर्वान, दीक्षा, करण, अजय समेत 20 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन दादाबाड़ी (वक्फ नगर), कोटा स्थित नए परिसर में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र, अभिभावक, शिक्षक एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शाहीन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के सीईओ तौसीफ मडिकरी एवं संरक्षक प्रोफेसर मोहम्मद नईम फलाही (पूर्व संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार) ने अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। प्रो. मोहम्मद नईम फलाही ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी का माध्यम होनी चाहिए। अल बयान पब्लिक स्कूल आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ठोस और सशक्त नींव रख रहा है। मल्टीवर्स एकेडमी जैसे संस्थान वर्तमान समय की आवश्यकता हैं, जो विद्यार्थियों को कक्षा से करियर तक मार्गदर्शन देते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

तौसीफ मडिकेरी ने कहा कि एक प्रगतिशील विद्यालय वही है जो परंपरा और तकनीक का संतुलन बनाए रखे। अल बयान पब्लिक स्कूल इस विचारधारा का सुंदर उदाहरण है, जहां नवाचार और नैतिकता साथ-साथ चलते हैं। मनीष गौर (सेवानिवृत्त प्रोफेसर, राजकीय कला महाविद्यालय कोटा) व आरएफपी डिजिटल मीडिया के डायरेक्टर मकसूद खान ने भी अपने विचार साझा किए। संस्थान के संस्थापक एडवोकेट सैफुल इस्लाम ने अपने संबोधन में अल बयान पब्लिक स्कूल की स्थापना की प्रेरणा और उद्देश्य को बताया। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय की नींव एक ऐसे शैक्षणिक मंच के रूप में रखी गई है, जहाँ शिक्षा केवल परीक्षा पास करने का माध्यम न होकर, बच्चों के चरित्र निर्माण, सोचने की क्षमता और नेतृत्व विकास का जरिया बने। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा लक्ष्य है – हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और मूल्य-आधारित शिक्षा पहुँचाना। संस्थान की निदेशक निकहत तरन्नुम ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि शिक्षा केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं, बल्कि सोचने, समझने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की शक्ति है। उन्होंने बताया कि अल बयान पब्लिक स्कूल का उद्देश्य छात्रों को न केवल अकादमिक रूप से, बल्कि नैतिक और सामाजिक रूप से भी सशक्त बनाना है। मल्टीवर्स एकेडमी की डायरेक्टर शिबा ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को करियर, चरित्र और कौशल के स्तर पर तैयार करना ही असली शिक्षा है। मल्टीवर्स एकेडमी इसी समग्र दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है। मल्टीवर्स एकेडमी की निदेशक सिमरन ने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक लाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और जीवन कौशल विकसित करना होना चाहिए। मल्टीवर्स एकेडमी इसी सोच के साथ छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कर रही है। इस मौके पर नवचयनित प्रोफेसर और दिल्ली शिक्षक भर्ती में चयनित हुए छात्रों को भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, अल बयान और मल्टीवर्स एकेडमी विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं, करियर गाइडेंस और व्यावसायिक मार्गदर्शन के लिए एक समग्र मंच प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी अतिथियों, छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों, अभिभावकों और शुभचिंतकों का धन्यवाद ज्ञापित किया और इस मिशन में निरंतर सहयोग की अपेक्षा जताई।

ह्यूमन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन के मुबारक खोखर अध्यक्ष व जिला महासचिव नबी बक्स पीर की जाल बने

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। ह्मन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन ने जालौर में जिलाध्यक्ष पद पर मुबारक खॉन खोखर को व जिलामहासचिव पद परं नबी बक्स पीर की जाल को एवं हुसैन खॉ मैत्रीवाड़ा को उपाध्यक्ष और जिला ब्लॉक अध्यक्ष मेहबुबशाह पीर की जाल को नियुक्त किया है। ह्मन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एम. के. पठान ने ह्मन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन का विस्तार करते हुए सुरेश पंवार को प्रदेश मिडिया प्रभारी, नजीर अहमद कुरैशी को प्रदेश संघठन सचिव, देवीलाल गुर्जर एवं फिरोज खॉन राणावास को प्रदेश महासचिव, नदीम बख्श को जिलाध्यक्ष जोधपुर, मुबारक खॉन खोखर को जिलाध्यक्ष जालौर, कुतुबुद्दीन लोसन को जिलाध्यक्ष सीकर, इस्माईल खॉन छीपा एडवोकेट को प्रदेश संगठन सचिव, रफीक चौहान प्रदेश उपाध्यक्ष, आमीन अली रंगरेज प्रदेश सहायक प्रवक्ता, कालु खॉन मोयला को प्रदेश सचिव, मेहराज

ह्यूमन राइट्स नबी बक्स जिला महासचिव

मुबारक खोखर ह्यूमन राइट्स जालोर अध्यक्ष

अली चूड़िघर पाली, अल्लारख खॉन पठान देसूरी, रफीक मोहम्मद कंटालिया जिला उपाध्यक्ष पाली, सतार खॉन धामली, सतार खॉन कंटालिया जिला महा सचिव पाली, भुराराम गुर्जर जिला संयुक्त सचिव पाली, मोहम्मद अयुब संघठन सचिव पाली, इन्दरचंद अरोड़ा जिला सलाहकार, मुर्तजा कुरेशी, एडवोकेटी जिलाध्यक्ष ब्यावर, नबी बक्स जिला महासचिव जालौर, हुसैन खॉन मैत्रीवाड़ा सांचौर जिला उपाध्यक्ष जालौर, दुर्गाराम परिहार जिला महासचिव जोधपुर, मोहम्मद उस्मान पठान जिलाउपाध्यक्ष जोधुपर, मेहबुबशाह जिलाब्लॉक अध्यक्ष, पीर की जाल सांचौर को नियुक्त किया गया है। एवं नव नियुक्त जिलाध्यक्ष गणों को निर्देश किया कि आप अपने जिलों की जिला कार्यकारिणी अति शीघ्र तैयार कर सूचित करावें एवं सभी प्रदेश एवं जिलों के पदाधिकारी ईमानदारी और अमानतदारी के साथ अच्छा कार्य करेगें और संघठन को मजबुत बनाने के लिए कार्य करते रहेगें।

कांग्रेस कार्यालय में स्वर्गीय किशन लाल गुर्जर को दी श्रद्धांजलि

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में आजादी से पूर्व कांग्रेस नेता किशन लाल गुजर के 92 वर्ष के निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा को संबोधित करते हुए चूरू नगरपरिषद के पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया ने कहा कि किषन लाल गुजर आजादी से पूर्व कांग्रेस के नेता मिलनसार व व्यक्तित्व के धन्नी थे। इसकी रिक्तता की समाज व पार्टी में भरपाई नही हो सकती। शोक सभा की अध्यक्षता चूरू शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष असलम खोखर ने की। इस अवसर पर अली मोहम्मद भाटी, शंकर चंदलिया, असलम खां मोयल, मुंशी खां चांदखानी, विनोद खटीक, चंदनमल मेघवाल, आमीन खां, नवाब खां, ईमरान मलनस, मनोज सैनी, जंगशेर खां, अजीज दिलवारखानी, समीउल्लाह गौरी, ईदरिस खां मलवाण, मो. कुरेशी, सहित ने गुजर के चित्र पर पुष्पांजली अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

रकमा संगठन द्वारा जिला स्तरीय अल्पसंख्यक सम्मान समारोह 7 सितंबर को चुरू में होगा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज.अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन (रकमा) संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन ने बताया कि 7 सितंबर कों मातुश्री कमला गोयनका टाऊन हॉल चुरू में रकमा संगठन की जिला इकाई द्वारा प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने की तैयारी कर रहा है । जिसके लिए विभिन्न तरह की कमेटियों का गठन किया जा चुका है और सभी अपने अपने तरीके से तैयारियो में लगे हुए हैं। रकमा संगठन के जिला अध्यक्ष मोहम्मद नियाज़ खान ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित किये जाने वालो के डाटा कलेक्ट किए जा रहे हैं जिसके लिए जिले में तहसील वार जिम्मेदारी दी गई है। चुरू के लिए वरिष्ठ अध्यापक मोहम्मद वसीम अली भाटी, रतनगढ़ के लिए मोहम्मद अनवर कुरेशी सेवा निवृत्त सीबीईओ, राजगढ़ के लिए हासम खान प्राचार्य, तारानगर के लिए फरमान खान लैब टेक्नीशियन, सुजानगढ़ के लिए मोहम्मद अकरम अध्यापक, और सरदार शहर के लिए इलियाश मोहम्मद खान वरिष्ठ शारिरिक शिक्षक को जिम्मेदारी दी गई है।इसी के साथ साथ लिस्ट को एकत्र कर फाइनल लिस्ट बनाने की जिम्मेदारी इमरान खान एएओ पीएचईडी को दी गई है। राज.अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अयुब खान वरिष्ठ लिगल आफिसर ने कहा है कि समाज के अग्रिम पंक्ति के समाज सेवियों और अल्पसंख्यक अधिकारी व कर्मचारियो को आगे आकर सम्मान समारोह को सफल बनाने की दिशा में काम करने की जरूरत है। रकमा संगठन चुरू के सलाहकार डॉ अहसान गौरी ने बताया कि इस सम्मान समारोह में दसवीं और बारहवीं में 85% या इससे उपर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी,एन सी सी में सी सर्टिफिकेट, स्काउट एवं गाइड में राष्ट्रपति अवार्ड,1 जनवरी 23 के बाद सरकारी सर्विस में नव नियुक्त कर्मचारी और अधिकारी,1 जनवरी 23 के बाद सेवा निवृत्त हुए अधिकारी और कर्मचारी, अल्पसंख्यक पत्रकार, पीएचडी,आइ आइ टी,आइ आइ एम,नीट, एनडीए,नेट,जेईई,सेट, क्लियर,सीए,आइसीडब्ल्यूए,सीएस क्लियर, ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएट में 70 % या इससे उपर अंक प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र व छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। जिन्हें जिला स्तरीय सम्मान समारोह में 7 सितंबर को सम्मानित किया जाएगा।रकमा के जिला सचिव जाकिर हुसैन एएओ व कयुम खान लेक्चरर ने बताया कि आवेदन की अंतिम तारीख 4 सितंबर 2025 रखी गई है।

बिलाल मस्जिद के पास नाले की बदहाली, वार्ड 34 के लोग परेशान

टोंक (रॉयल पत्रिका)। शहर के वार्ड नंबर 34 में स्थित बिलाल मस्जिद के पास से गुजरने वाला नाला इन दिनों बदहाल स्थिति में है। नाले में गंदा पानी भरा हुआ है और जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं। इस कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नाले के किनारे पड़ी गंदगी और पानी के जमाव से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। वहीं नाले में गाड़ियों का कबाड़ और प्लास्टिक कचरा डालने से स्थिति और भी गंभीर होती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार नगर परिषद से शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। निवासियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सफाई करवाने और स्थायी समाधान की मांग की है।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सुजानगढ़ उपखंड मुख्यालय पर बरसात से हुए जल भराव की स्थितियों का लिया जायजा

चूरू/सुजानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले के सुजानगढ़ उपखंड मुख्यालय पर बरसात से हुए जल भराव की स्थितियों का जायजा लिया और आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने सुजानगढ़ उपखंड मुख्यालय पर चापटिया तलाई, नाथो तालाब, एफसीआई गोदाम में निरीक्षण कर जल भराव और जल निकासी की जानकारी ली। जिला कलक्टर ने एसडीएम व नगरपरिषद आयुक्त को निर्देश दिए कि जल भराव स्थितियों पर प्रभावी नियंत्रण करें तथा संसाधनों को बढ़ाते हुए आमजन को राहत दें। पंप आदि को चालू रखते हुए अन्य पंप सेटों की व्यवस्था करें। सभी अधिकारी, कार्मिक बेहतरीन समन्वय से आमजन को सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि आपदा में आमजन को राहत के लिए मशीनरी मुस्तैद रहे। यथाशीघ्र जल निकासी की जा जाए। प्राथमिकता से मुख्य मार्गों और घरों से जल निकासी का प्रबंधन करें। क्षतिग्रस्त घरों में रहने वाले लोगों को अन्यत्र शिफ्ट किया जाए। एफसीआई गोदाम से पानी निकासी का प्रबंध करें ताकि अन्न के नुकसान से बचा जा सके। सुराणा ने कहा कि

जल भराव स्थितियों से निपटने के लिए अन्य नगरनिकायों और जिलों से भी पंप आदि का प्रबंध किया गया है। प्रभावित लोगों को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के नियमों के तहत मुआवजा दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वार्डों में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेडिकल टीम भेजी जाएगी, जिससे पानी से फैलने वाली मौसमी बीमारियों पर नियंत्रण किया जा सके।उन्होंने स्थानीय नागरिकों से स्थितियों की जानकारी लेते हुए समुचित प्रबंधन का आश्वासन दिया। बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल ने शहर में जल भराव और हुए नुकसान सहित समस्याओं से अवगत करवाया। स्थानीय कमल दाधीच, पुरुषोत्तम शर्मा, नूर मोहम्मद खान, मनोज पारीक, प्रेमप्रकाश स्वामी, प्रेम सिंह पंवार, मदन भारी ने भी क्षेत्र की समस्या व स्थितियों की जानकारी दी। एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा ने बताया कि संसाधनों और टीम के प्रबंधन से व्यवस्थाएं की जा रही हैं। घरों में फूड पैकेट, पीने का पानी आदि आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। एफसीआई अधिकारियों ने बताया कि गोदाम में मौजूद गेंहू को लाडनूं शिफ्ट किया जाएगा, जिसके लिए ट्रैक बना लिया गया है। इस दौरान तहसीलदार गिरधारीलाल पारीक, आयुक्त मगराज डूडी, एक्सईएन पूर्णिमा, ए चारवी सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि व आमजन मौजूद रहे।

राज्य स्तर पर सम्मानित होने पर जिला कलेक्टर का किया इस्तकबाल

बांरा (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्यहित मे सर्वश्रेष्ठ कार्य करने पर बांरा जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर को बरकतउल्ला स्टेडियम जोधपुर मे योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किये जाने पर मौलाना आजाद परिवार के अध्यक्ष शेख बहादुर, मंडी अध्यक्ष देवकीनंदन बंसल, बांरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष योगेश कुमार बाटा, मांगरोल ईदगाह सदर मोहम्मद अशफाक ने पगड़ी, शॉल व माला पहनाकर स्वागत किया तथा बधाई पत्र भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

जोधपुर में अब्बासियान कौम द्वारा दो दिवसीय जनसेवा शिविर का आयोजन

- सैकड़ों लोगों को मिलेंगे प्रमाण पत्र और बैंक खाते

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। कौम अब्बासियान (भिश्ती) शेखावाटी गोरावटी जुमले संस्था उदयमंदिर और वार्ड 46 के पार्षद शेर मोहम्मद के संयुक्त तत्वावधान में मदरसा रोशन इस्लामिया के सभागार में दो दिवसीय जनसेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में समाज के बुजुर्गों की सरपरस्ती रही और बड़ी संख्या में आमजन ने भाग लिया। कौम के सदर व युवा नेता अब्दुल रशीद अब्बासी ने कहा कि इस प्रकार के शिविरों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे आमजन तक पहुंचता है। पार्षद शेर मोहम्मद ने जानकारी दी कि इस शिविर के माध्यम से आम लोगों को जन्म प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, लर्निंग लाइसेंस (18 वर्ष से अधिक आयु के लिए), तथा जीरो बैलेंस बैंक खाता जैसी सुविधाएं मुहैया कराई गईं। शिविर के संचालन में इंजिनीयर वासिद मुगल, जुबेर खान, आदिल तुर्कमान, इब्राहिम लंगा जैसे युवा शामिल रहे, जिन्होंने दस्तावेजों की प्रक्रिया में मार्गदर्शन दिया। वहीं एडवोकेट शबनम बानो, अली मोहम्मद, जाबीर मास्टर, गुलाब मोहम्मद तुर्कमान, युवा नेता रियाज खान, निजामुद्दीन भाटी, शहजाद खान, रिजवान राजा, जाकीर हुसैन मुनीम जी समेत अन्य ने भी सहयोग दिया। संस्था के सचिव डॉ. निजामुद्दीन ने बताया कि पहले दिन ही 321 मूल निवास प्रमाण पत्र व 351 जन्म प्रमाण पत्र के दस्तावेज पेश किये गये और 110 लर्निंग लाइसेंस और 127 जीरो बैलेंस खाते खोले गए।

शिविर की सफलता में हाजी यासीन उस्ताद, सलीम पंवार, इस्लामुद्दीन गौरी, न्याज मोहम्मद भाटी, सुबराती खान अब्बासी, सनवर अब्बासी, सिकन्दर पंवार, अकरम भाटी, पिन्टू भाटी और मुस्तकीम अब्बासी सहित कई लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश 03 सितंबर तक

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर संचालित राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष मे चार शाखाओं (इलेक्ट्रॉनिक, कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) मे चरणबद्ध रूप से सीधे ही प्रवेश दिये जा रहे हैं। प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन www.dap2025.in पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। द्वितीय चरण में 01 सितंबर, 2025 से 03 सितंबर, 2025 तक आवेदन कर सकते हैं तथा 04 सितंबर, 2025 को सवेरे 11 बजे तक 354/ रुपए शुल्क सहित दस्तावेज संस्थान में जमा करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 04 सितंबर, 2025 को ही मेरिट आधार पर संस्थान में सीधे ही प्रवेश दिया जाएगा। जितेन्द्र कुमार ने बताया कि तृतीय चरण प्रवेश में 10 सितंबर, 2025 से 14 सितंबर, 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा 15 सितंबर, 2025 को सवेरे 11 बजे तक 354 रुपए शुल्क सहित दस्तावेज जमा करा सकते हैं। 15 सितंबर, 2025 को ही मेरिट आधार पर संस्थान मे सीधे ही प्रवेश दिया जाएगा।

जुलूस-ए-मुहम्मदी को लेकर जनसंपर्क अभियान

-ओलमा-ए-अहले सुन्नत की देखरेख में निकलेगा जुलूस-ए-मुहम्मदी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। शकील पठान ने बताया कि जुलूस-ए-मुहम्मदी की तैयारी को लेकर बरकतुल्लाह कॉलोनी में मीटिंग मोहम्मद इरफान कुरैशी की सरपरस्ती में आयोजन किया गया। मोहसिन अत्तारी ने बताया कि जुलूस हजरत अब्दुल लतीफ शाह रहमतुल्लाह अलेही की दरगाह से मुफ्ती शेर मोहम्मद खान साहब रिजवी सुबह 8:00 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। साजिद खान ने बताया कि ओलमाए अहले सुन्नत की मान्यता के अनुसार पूर्ण सादगी, अदबो, एहतराम और अकीदत से जुलूस-ए-मुहम्मदी निकाला जाएगा।

जुलूस की तैयारी को लेकर मुस्लिम इलाके रमजान जी का हत्था, मुंशी सिफर हुसैन कॉलोनी, मिरासी कॉलोनी, प्रताप नगर, बंबा, उदय मंदिर एवं मदीना कॉलोनी में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

आसिफ नुरीने बताया कि मीटिंग के दौरान समाजसेवी मोहम्मद जावेद, इफ्तिखार अहमद, मौलाना हाफिज जावेद, मोहम्मद अली

रंगरेज, सैयद हैदर अली, राजू भाटी, सद्दाम अब्बासी, आसिफ नूरी, मोहम्मद शाहरुख, नसीम अली, मोहम्मद जावेद, एडवोकेट अब्दुल खालिद, मोहम्मद सलीम मुन्ना, मोहम्मद सदीक राजू, मोहम्मद इरफान कुरैशी, मोहम्मद कायम, उमर सामरिया, हेदर नुरी, नासिर हुसैन, जुल्फिकार अली, नूर मोहम्मद, मोहम्मद फारुख, सदीक, रुस्तम अली, शेर मोहम्मद, चांद मोहम्मद, हारुन अब्बासी, अमन, तोफीक, अबुबकर, मोः फैजान, मोः तारीक, मोः असलम, मोः वसीम, लियाकत अली, मोहम्मद हारुन, मोः रसीद, इफ्तिकार अहमद, सिराजुद्दीन, नफीस अहमद, वाजिद उस्ताद, आजाद सहित ओलमाए अहले सुन्नत, जोधपुर के तमाम बुद्धिजीवी, विद्वान और तमाम आशिकाने रसूल जोधपुर आदि उपस्थित रहे।

आवाम से की गई अपील

ओलमा-ए-अहले सुन्नत की सरपरस्ती में निकाले जाने वाले जुलूस ए मुहम्मदी में 2023-2024 की तरह टू व्हीलर, फोर व्हीलर, बैंड बाजे, ढोल ताशे, झांकियों नाबालिग बच्चे और महिलाओं पर जुलूस में पूर्ण प्रतिबंध रखा है और जुलूस सुबह के समय पर जल्दी निकलेगा ताकि सभी जुम्मे की नमाज अदा कर सके।

नर्सिंग छात्रों हेतु गीतांजलि यूनिवर्सिटी में जागरूकता कार्यक्रम

उदयपुर(रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में लगभग शनिवार को 700 नर्सिंग छात्र-छात्राओं के लिए टाउन हॉल मीटिंग "स्टूडेंट अवेयरनेस प्रोग्राम" का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में वाइस चांसलर डॉ राकेश व्यास, गीतांजली यूनिवर्सिटी, गीतांजलि कॉलेज एंड स्कूल ऑफ नर्सिंग से डीन डॉ. विजया अजमेरा, प्रिंसिपल डॉ. योगेश्वर पूरी गोस्वामी, प्रिन्सिपल प्रोफेसर दिनेश कुमार शर्मा फैकल्टी सदस्य एवं समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

वाइस चांसलर डॉ. राकेश व्यास ने नर्सिंग क्षेत्र की महत्त्वता पर प्रकाश डाला, डॉ. विजया अजमेरा, डीन ने छात्र छात्राओं को अच्छे अध्ययन एवं स्वस्थ रहने तथा सदैव सकारात्मक रहने के लिए प्रोत्साहित किया, प्रिंसिपल नर्सिंग कॉलेज डॉ. योगेश्वर पूरी गोस्वामी ने नर्सिंग प्रोफेशन के उद्देश्यों

से अवगत कराया एवं उसे पूर्ण करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया, प्रिंसिपल नर्सिंग स्कूल प्रोफेसर दिनेश कुमार शर्मा ने नर्सिंग प्रोफेशन की विशेषता एवं नर्सिंग की जिम्मेदारियों से अवगत कराया ।

स्टूडेंट अवेयरनेस प्रोग्राम के तहत एक्सपर्ट सेशन का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल से डॉक्टर शिखा शर्मा, क्लिनिकल साइकोलॉजी काउंसलर, सुश्री भव्या रस्तोगी स्टूडेंट काउंसलर द्वारा छात्र-छात्राओं को अध्ययन एवं दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं को सुना एवं उसके उचित समाधान बताये।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ब्रिन्सी बाबु एसोसिएट प्रोफेसर एवं विकास कुशवाहा लेक्चरर गीतांजलि कॉलेज एवं स्कूल ऑफ़ नर्सिंग द्वारा किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दी सौगात तीन मंजिला बनेगी गांधी भवन लाइब्रेरी

अजमेर (रॉयल पत्रिका। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के प्रयासों से अजमेर को एक बड़ी सौगात मिली है। राज्य सरकार की बजट घोषणा की पालना में अजमेर की गांधी भवन लाइब्रेरी के उन्नयन के लिए स्थानीय निकाय विभाग ने 6.46 करोड़ रूपए की वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। पूर्व में लाइब्रेरी उन्नयन का प्रस्ताव संबंधित विभाग को भिजवाया गया था। जल्द ही इस पर काम शुरू हो जाएगा। गौरतलब है कि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पूर्व में नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य सरकार की बजट घोषणा के तहत अजमेर

में लाइब्रेरी क्रमोन्नयन के संबंध में निर्देश दिए थे कि गांधी भवन लाइब्रेरी को उन्नत और विकसित किया जाए ताकि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थी वहां आकर पढ़ सकें। यह लाइब्रेरी ग्राउण्ड के साथ तीन मंजिला डिजाइन की जाएगी। भवन को इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि सैकड़ों विद्यार्थी एक साथ बैठकर वहां अध्ययन कर सकेंगे।

अनूपगढ़ जनसुनवाई में जिला कलक्टर ने किया आमजन की परिवेदनाओं का निस्तारण

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार की जन भावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिये जनसुनवाई शुक्रवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में अनूपगढ़ के वीसी रूम में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई करते हुए विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध रूप से निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय की मंशा के अनुरूप पीड़ित को राहत व संतुष्टि दिलवाना सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त 71 प्रकरणों पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। जनसुनवाई के दौरान पुलिस कर्मी की शिकायत पर कार्रवाई के लिए जिला कलक्टर ने सीओ, राजकीय विद्यालय के जर्जर भवन को नियमानुसार निस्तारित करने, नर्सरी में विधुत कनेक्शन करने, इंतकाल दर्ज करने, खेत में आवागमन के लिए रास्ता दिलवाने, एससी-एसटी के झूठे मुकदमे में निष्पक्ष जांच करने, आबादी भूमि से स्वीकृतशुदा रास्ता दिलवाने और अतिक्रमण हटाने, उपखंड मुख्यालय पर अतिक्रमण हटाने के प्रकरण में पौधों की चारदीवारी कर अतिक्रमण हटाने के लिए नगरपालिका ईओ को निर्देश दिए गए। इसी तरह 29 जीबी की गली में अतिक्रमण हटाने के लिये श्रीविजयनगर बीडीओ, रकबा राज भूमि और 3 एसटीआर से अतिक्रमण हटाने के लिए घड़साना एसडीएम, 2 एएसएम की नहरी भूमि से अतिक्रमण हटाकर रास्ता खुलवाने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि समस्त जिला स्तरीय अधिकारी सप्ताह में एक दिन निर्धारित कर अनूपगढ़ में रहकर आमजन की परिवेदनाओं का निस्तारण करें। इस अवसर पर एडीएम सतर्कता रीना, एडीएम अनूपगढ़ अशोक सांगवा, प्रशिक्षु आईएएस अदिति यादव, एसडीएम सुरेश राव, नगरपालिका अध्यक्ष प्रियंका बैलान, जिला परिषद एसीईओ हरिराम चौहान, प्रशांत कौशिक, सहायक निदेशक लोक सेवाएं ऋषभ जैन, धीरज चावला, हरीश मित्तल, डॉ. अजय सिंघला, वीआई परिहार, विजय शर्मा, विजय कुमार, अरविंदर सिंह, कविता सिहाग, जसवंत बराड़ सहित अन्य मौजूद रहे जबकि उपखंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

ग्राम पंचायत साबला में रात्रि चौपाल आयोजित

-सुनी परिवेदनाएं त्वरित समाधान करने के दिए निर्देश

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डूंगरपुर अंकित कुमार सिंह के निर्देशन में उपखंड अधिकारी साबला महेश गगोरिया की अध्यक्षता में गुरुवार को पंचायत समिति साबला के ग्राम पंचायत साबला में रात्रि चौपाल आयोजित हुई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय साबला में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने रास्ते पर अतिक्रमण हटवाने, पुस्तकालय भवन बनवाने, ट्रांसफार्मर हटवाने, निःशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध करवाने, मकान का पट्टा जारी करवाने, दूषित जल निकासी के लिए नाली का निर्माण करवाने, जल जीवन मिशन योजना के तहत पेयजल उपलब्ध करवाने, वृद्धावस्था पेंशन में जन आधार कार्ड एवं आधारकार्ड का लिंक करवाने, खेल मैदान बनवाने के लिए भूमि आवंटन करवाने सहित अन्य परिवेदनाएं लेकर बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित हुए तथा अपनी परिवेदनाओं को उपखंड अधिकारी महेश गगोरिया के समक्ष प्रस्तुत की । उपखंड अधिकारी गगोरिया ने एक-एक परिवादी की परिवेदना को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से तथ्यात्मक जानकारीलेते हुए नियमानुसार समाधान के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान चौपाल में उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को किया प्रोत्साहित-

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय साबला में अध्यनरत उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के छात्र-छात्राओं को माल्यार्पण एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान उपखंड अधिकारी गगोरिया ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अपने माता-पिता एवं गुरुजनों का नाम रोशन करने की बात कही। इस अवसर पर रात्रि चौपाल में ग्राम पंचायत सरपंच देवीलाल भगोरा, तहसीलदार मंगलाराम मीणा, नायब तहसीलदार मोहनलाल बारिया, ब्लॉक विकास अधिकारी वालसिंह राणा,समाजसेवी बद्रीलाल मीणा, जयेश पंड्या, सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी गण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

393 युवाओं को रोजगार के प्रारंभिक अवसर प्रदान

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन, जिला रोजगार कार्यालय एवं महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को महाविद्यालय परिसर में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ सांसद सी.पी. जोशी एवं जिला कलक्टर आलोक रंजन ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में ऐसे शिविर बेरोजगारों को बेहतर अवसर प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इस शिविर में विभिन्न क्षेत्रों की कुल 21 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। लगभग 650 अभ्यर्थियों ने रोजगार हेतु पंजीयन कराया, जिनमें से 355 बेरोजगार युवाओं को विभिन्न पदों पर प्रारंभिक रोजगार अवसर उपलब्ध कराए गए, वहीं 38 युवाओं का चयन प्रशिक्षण हेतु किया गया। सांसद एवं जिला कलक्टर ने शिविर में लगाए गए सभी कंपनियों के स्टॉल का अवलोकन किया तथा नियोक्ताओं द्वारा अपनाई जाने वाली चयन प्रक्रिया की जानकारी भी प्राप्त की। इस अवसर पर जिला उद्योग अधिकारी हरीश चौधरी, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. भारती मेहता, प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. हेमलता महावर, रोजगार कार्यालय के राजेन्द्र उपाध्याय, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी पियूष गांधी, वरिष्ठ सहायक संतोष कुमार शर्मा एवं कनिष्ठ सहायक सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में रीट कार्यालय के सभागार में आयोजित हुई। जिला कलक्टर लोक बन्धु द्वारा जिले में नव पदस्थापित चिकित्सकों को बधाई दी गई। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान तथा मौसमी बीमारियों एवं अतिवृष्टि के दौरान तैयारियों की समीक्षा की गयी। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के सरपंचों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेन्टो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी के तहत इसमें निर्धारित घटकों यथा वेलनेरेवल पापुलेशन, चेस्ट एक्सरे, किट वितरण, निक्षय पोषण इत्यादि को अविलम्ब पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मौसमी बीमारियों के तहत बीसीएमओ को निर्देश प्रदान किए कि उपखण्ड अधिकारी की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय बैठकों में सम्मिलित होकर प्रदत्त दिशा-निर्देशानुसार कार्य किया जाना सुनिश्चित कराए। चिकित्सा विभाग द्वारा निर्धारित सभी मानकों पर एकरूपता के साथ ध्यान रखकर कार्य किया जाए। इससे जिला प्रत्येक गतिविधि में राज्य स्तर पर अग्रणी जिलों में बना रहेगा। फ्लैगशिप योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना में सूचनाओं के अभाव को पूर्ण कर अविलम्ब शत प्रतिशत लक्ष्यार्जन के निर्देश प्रदान किए गए। संयुक्त निदेशक डॉ. सम्पत सिंह जोधा द्वारा जिले में पदस्थापित नवीन चिकित्सकों को मुख्यालय पर रह कर सेवा प्रदान करने के निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही उन क्षेत्रों को बीमारी मुक्त रखने के लिए भारत सरकार द्वारा निर्देशित कार्यक्रम आयुष्मान आरोग्य मंदिर द्वारा प्रदत्त सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गयी एवं निर्देशित किया गया कि आमजन को यह सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्स्ना रंगा द्वारा जिले के समस्त बीसीएमओ तथा चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियाँ बनाए रखे। जिला स्तर से सूचना मांगे जाने पर निर्धारित समय पर सूचना प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करावे। शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर सभी प्रकार के जॉचों के लिए किट उपलब्ध करवाए गए है। इन चिकित्सालयों पर निःशुल्क दवा एवं जांच की सुविधा उपलब्धता के निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में जिले के समस्त बीसीएमओ एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रमों की नव पदस्थापित चिकित्सकों को जानकारी प्रदान करवाई गयी।

धनेश्वर ग्राम में परमाणु आपदा प्रबंधन से संबंधित मॉक ड्रिल हुई सम्पन्न

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा स्थित राजस्थान परमाणु ऊर्जा स्टेशन से जुड़े परमाणु एवं रेडियोलॉजिकल आपातकाल के मॉक अभ्यास के तहत शुक्रवार को तालेड़ा उपखंड के धनेश्वर ग्राम में ऑफ-साइट मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। यह मॉक अभ्यास राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों और राज्य आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के सहयोग से सम्पन्न हुआ। अभ्यास एनडीएमए द्वारा नियुक्त मेजर जनरल ए.के. वर्मा (सेवानिवृत्त वरिष्ठ सलाहकार) से प्राप्त निर्देशों के तहत किया गया। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य संभावित परमाणु दुर्घटना या रेडियोलॉजिकल आपदा की स्थिति में स्थानीय प्रशासन, सुरक्षा बलों और ग्रामीणों की तैयारी, तत्परता एवं समन्वय का आकलन करना था। इस दौरान आपदा प्रबंधन से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों का अभ्यास कराया गया जिनमें चेतावनी, सलाह, यातायात नियंत्रण, स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना, आयोडीन टैबलेट का वितरण, खाद्य सामग्री की निगरानी एवं सुरक्षा, सुरक्षित स्थान पर निकासी व प्रदूषण शमन शामिल थी। इस दौरान ग्रामीणों को आपदा की स्थिति में तुरंत चेतावनी देने, सुरक्षित मार्ग से आश्रय स्थल तक पहुँचाने और आवश्यकता पड़ने पर आयोडीन टैबलेट वितरित करने की प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया। प्रशासन की ओर से यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन तथा खाद्य सामग्री की जाँच और वितरण की विधि भी प्रदर्शित की गई। हालांकि अभ्यास में वास्तविक तौर पर व्यापक पैमाने पर निकासी और डीकंटेमिनेशन की गतिविधियाँ शामिल नहीं की गईं, लेकिन इनके लिए प्रशासनिक स्तर पर योजनाओं की जानकारी साझा की गई। इस मौके पर जिला प्रशासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, आपदा प्रबंधन टीम, सिविल डिफेंस स्वयंसेवक तथा ग्रामीणजन सक्रिय रूप से शामिल हुए। ग्रामवासियों ने भी पूरे अनुशासन के साथ इस ड्रिल में भागीदारी की और आपदा के समय अपनाए जाने वाले कदमों की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की। उपखंड अधिकारी तालेड़ा मनस्वी नरेश ने कहा कि ऐसे मॉक ड्रिल समय-समय पर आयोजित किए जाने आवश्यक हैं ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में प्रशासन और जनता दोनों मिलकर शीघ्र व प्रभावी प्रतिक्रिया दे सकें। इस अभ्यास से धनेश्वर ग्राम सहित आसपास के क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता और विश्वास दोनों बढ़ा हैं।

करसाना ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल आयोजित

-अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सुनी आमजन की समस्याएं

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत करसाना के पंचायत कार्यालय में गुरुवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रभा गोतम की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। रात्रि चौपाल में बोर्ड परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं का सम्मान अतिरिक्त जिला कलक्टर ने किया। इसके पश्चात अतिरिक्त जिला कलक्टर ने आमजन की समस्याओं तल्लीनता से सुनते हुए उनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए। चौपाल के दौरान कुल 27 परिवाद प्राप्त हुए, जिनमें प्रमुख रूप से बिजली, पानी, सड़क एवं रास्ते से संबंधित मुद्दे शामिल थे। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सभी परिवादों के 7 दिवस में निस्तारण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी ईश्वर लाल खटीक, तहसीलदार गुणवंत माली, विकास अधिकारी दुर्गा प्रसाद सहित सभी जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के व्यवस्थापको को व्यवसाय विविधिकरण हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबन्ध संस्थान (राईसेम) द्वारा जिले के बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के व्यवस्थापको को व्यवसाय विविधिकरण हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 28 अगस्त 2025 को केन्द्रीय सहकारी बैंक लि० डूंगरपुर के प्रधान कार्यालय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबन्ध संस्थान से पूजा चर्तुवेदी, सहायक रजिस्ट्रार द्वारा वर्तमान परिदृश्य में एम-पैक्स के रुप में समिति की बदलती भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं संस्था द्वारा व्यवसाय विविधिकरण करते हुए पैक्स को सशक्त करने की आवश्यकता बताई। महेश सांखला, डीडीएम नॉबार्ड द्वारा सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को साकार करने की आवश्यकता बताते हुए नॉबार्ड द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के तहत अनुदान की जानकारी दी गई। मदनलाल, उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, डूंगरपुर द्वारा सहकारिता के सिद्धान्तों से अवगत करवाया साथ ही व्यवस्थापको को सिस्टम ऑडिज करवाते हुए पेक्स कम्प्यूटराईजेशन की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूर्ण करवाने का आवहान किया। राजकुमार खाण्डिया, प्रबन्ध निदेशक, द्वारा संस्थाओं को अपने लक्ष्य की ओर ले जाने के लिए बेहतर संचालन के मुद्दे तथा मुख्य कार्यकारी द्वारा करनेश्रही करने योग्य कार्य की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न लेम्पस, पैक्स के व्यवस्थापको के साथ ही प्रशान्त मेहता मुख्य प्रबन्धक, राजसिंह कम्प्यूटर प्रोग्रामर, पियुष विश्नोई वरिष्ठ प्रबन्धक, मितार्थ श्रीमाली प्रबन्धक, प्रदीप भट्ट, प्रबन्धक, ओमप्रकाश गोदारा प्रबन्धक, दुर्गानारायण सिंह ऋण पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। आभार हर्षवती अहारी, अतिरिक्त अधिशाषी अधिकारी, बैंक द्वारा किया गया।

महिला अधिकारिता विभाग वन स्टॉप सेण्टर "सखी" केन्द्र का औपचारिक शुभारम्भ

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेण्टर "सखी" केन्द्र का औपचारिक शुभारम्भ जिला कलक्टर लोक बन्धु के निर्देशानुसार शुक्रवार को केकड़ी में किया गया। महिला अधिकारिता विभाग की उप निदेशक मेघा रतन ने बताया कि यह केन्द्र एवं राज्य के सभी जिलों में संचालित है। नवीन जिलों की स्थापना होने पर यह केन्द्र का आरम्भ आज केकड़ी में किया गया है। केन्द्र का मुख्य उद्देश्य हिंसा से उत्पीड़त एवं निराश्रित महिलाओं को अविलम्ब चिकित्सकीय, मनौवैज्ञानिक सहित अन्य राहत पहुंचाना है। यह केन्द्र 24 घण्टे क्रियाशील रहता है। केन्द्र पर 5 प्रकार की सेवाओं के लिये कुल 13 मानव संसाधान कार्यरत रहेंगे। यह केन्द्र राजकीय चिकित्सालय केकड़ी में भूतल पर स्थित कक्ष संख्या 44-45 में संचालित रहेगा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पंचायत समिति केकड़ी के प्रधान होनहार सिंह राठौड़ ने कहा कि सरकार महिलाओं के सुरक्षा के प्रति बहुत ही संवेदनशील है। समाज के प्रत्येक वर्ग का यह दायित्व है कि वे महिलाओं के प्रति सुरक्षा एवं सम्मान की भावना रखे। केन्द्र पर आने वाली हर पीड़िता को तत्काल राहत पहुंचे तभी यह केन्द्र निश्चित रूप से महिलाओं के लिये मददगार साबित होंगे। इस अवसर अतिरिक्त जिला कलक्टर केकड़ी चन्द्रशेखर भण्डारी ने कहा कि केन्द्र के उद्देशात्मक पहलुओं का प्रचार-प्रसार अधिकाधिक किया जाना चाहिए ताकि आमजन को इस केन्द्र के विषय में जानकारी प्राप्त हो सके। लाभान्वित पक्ष इससे जुड़ कर राहत प्राप्त कर सके। साथ ही हम सभी को केन्द्र के माध्यम से उत्पीड़ित एवं निराश्रित महिलाओं को हर संभव मदद करने के प्रयास करने चाहिए तभी केन्द्र की सार्थकता सिद्व हो सकेगी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुय राजकीय चिकित्सालय केकड़ी के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन कुमार जांगिड़ ने कहा कि चिकित्सालय प्रशासन केन्द्र पर आने वाले हर उत्पीड़ित एवं निराश्रित महिलाओं को चिकित्सकीय राहत पहुंचाने के लिये कटिबद्व रहेगा। केन्द्र को सुव्यवस्थित संचालित करने के लिये जो भी मदद विभाग एवं केन्द्र द्वारा मांगी जाएगी उसे समुचित रूप से उपलब्ध करवायी जाएगी। इस अवसर पर उप नियंत्रक डॉ. मुनेश गौड़, डॉ. राजेन्द्र मौर्य, डॉ. सरिता मौर्य ने भी कार्यक्रम में उपस्थित संभागीगणों को सम्बोधित किया।

मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी में खेल महोत्सव के तहत हो रही रस्साकस्सी और गोला फेंक प्रतियोगिता

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के 'विकसित भारत' के क्रम में तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार मौलाना आजाद विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय (29-31 अगस्त 2025) खेल महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। जिसमें खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आउटडोर खेलों के अर्न्तगत रस्सा-कस्सी में फिजियोथेरिपी व फार्मेसी छात्रो के बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले में फार्मेसी टीम विजयी रही। विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के बीच हुई गोला फेंक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बी. फार्म फोर्थ सेम के दिलीप, द्वितीय स्थान पर बीपीटी के फीफ्थ सेम के समीर और तीसरे स्थान पर बीपीटी फीफ्थ सेम के अनील पटेल रहे। रस्सा कस्सी मे फार्मेसी छात्र विजयी और बीपीटी छात्र द्वितीय स्थान पर रहे।

बतौर मुख्य अतिथि मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक एवं विषिष्ट अतिथि यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. जमील काज़मी के नेतृत्व में सभी संकायों के छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने अंत में खेलों के प्रति समर्पण व खेल भावना की शपथ ली।

इस अवसर पर डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान, डीन स्पोर्ट्स डॉ. मोईनुल हक, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी साबरा कुरैशी, डीन आर्टस डॉ. इनाम इलाही, डीन कॉमर्स डॉ. एन.के. बोहरा, डीन मैनेजमेंट डॉ. दीपक भंडारी, डीन एज्यूकेशन डॉ. समीना, साइंस हेड ऑफ डिपार्टमेन्ट डॉ. मोहम्मद रईस विशेष रूप से उपस्थित रहे।

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मरजीना, डॉ. सीमा परवीन, डॉ. अब्दुल्ला खालिद, डॉ. अल्ताफ खान, डॉ. शाहिद, डॉ. समृद्धि, डॉ. मुजफ्फर कुरैशी, यूनुस खान, डॉ. विपिन व्यास, डॉ. विरमाराम देवासी, तौसीफ खान, पूजा इंकिया, शोएब खान, मारुफ शेख, सरवन हुदा, रुकैया जमाल, शोएब सैफी सहित विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

रावतभाटा में परमाणु आपदा प्रबंधन अभ्यास सफल, कमियों को दूर करने पर दिया जाएगा जोर

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान परमाणु बिजलीघर रावतभाटा में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) की देखरेख में शुक्रवार को बड़े स्तर पर परमाणु एवं रेडियोलॉजिकल आपातकालीन स्थिति का अभ्यास किया गया। यह देश में इस प्रकार का दूसरा सबसे बड़ा अभ्यास था। अभ्यास के उपरांत दोपहर तीन बजे फीडबैक सत्र शुरू हुआ, जो शाम छह बजे के बाद तक चला। इस दौरान चार सेक्टरों में बंटे पर्यवेक्षक दलों और अधिकारियों ने राजस्थान व मध्यप्रदेश के पांच जिलों के 22 गाँवों में जाकर किए गए निरीक्षण की जानकारी साझा की। उन्होंने आपदा प्रबंधन कार्यवाही के दौरान सामने आई चुनौतियों और कमियों पर विस्तृत चर्चा की। गांधी सागर क्षेत्र का निरीक्षण करने वाले पर्यवेक्षक संजय माथुर ने बताया कि ग्रामीणों को पहले से पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई थी, न ही एक्सेस कंट्रोल और शेल्टर की व्यवस्था की गई। रावतभाटा से गांधीसागर तक की सड़क की खराब स्थिति भी बड़ी समस्या बनी। इसी तरह एसडीएम गरोठ ने मेडिकल स्टाफ और ग्रामीणों तक जानकारी के अभाव को मुख्य कमी बताया।

तकनीकी और चिकित्सा दृष्टिकोण से सुझाव-

बीएआरसी के वैज्ञानिक आर. बी. के. यादव ने कहा कि 22 किमी रेडियस के अंदर रहने वाले सभी आयु वर्ग के लोगों की समूहवार जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने सप्लाई चैन और कम्युनिकेशन सिस्टम को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल जाटव ने बताया कि डेमोग्राफी डेटा मात्र 10 मिनट में उपलब्ध कराया गया, जो योजना अनुसार रहा।

राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

अजमेर, 29 अगस्त। राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर केन्द्रीय पशु पंजीकरण योजना व पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा संस्थान में मेजर ध्यानचंद जी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई तथा फिट इंडिया शपथ ली गयी। केन्द्रीय पशु पंजीकरण योजना के उप पंजीकार बलबीर गैना द्वारा बताया गया कि मेजर ध्यानचंद जी ने भारत को हॉकी में ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाए और देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया। उनकी खेल भावना, अनुशासन और समर्पण आज भी हर खिलाड़ी और युवा को प्रेरणा देते हैं। वे इस बात का प्रतीक हैं कि दृढ़ निश्चय और कड़ी मेहनत से असंभव भी संभव हो सकता है। अतः हम सभी को खेलों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। खेलने से न केवल हमारा शरीर मजबूत बनता है, बल्कि मन और आत्मा भी स्वस्थ रहते हैं। खेलों से हमें संघर्ष का सामना, जीवन में अनुशासन, नियमों का पालन टीमवर्क आदि सीखने को मिलता है।

तमन्ना-डायना की सीरीज डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी की सीरीज डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर मेकर्स ने जारी किया है। ट्रेलर में दिखाया जाता है कि कैसे दो महिलाएं शिखा और अनाहिता अपने नए बिजनेस को शुरू करती हैं। इसमें उन्हें धैर्य और संघर्ष को बेहद ही शानदार ढंग से दिखाने का प्रयास किया जाता है। ट्रेलर में कॉमेडी भी देखने को मिलती है। इस सीरीज को युवाओं पर फोकस किया गया है, जो दर्शकों को प्रेरणा देने का काम भी कर सकती है। कोलिन डी कुन्हा और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित सीरीज डू यू वाना पार्टनर 12 सितंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। वहीं, इस सीरीज को मिथुन गोंगोपाध्याय और निशांत नायक द्वारा निर्मित किया गया है।

लाइफ Style

साई धनशिका

12 साल बड़े स्टार से की सगाई

स्टार विशाल ने साई धनशिका के साथ अपने रिश्ते का खुलासा इस साल मई में किया था। उन्होंने जल्द शादी करने की बात कुबूल थी। जब से इस बात का पता चला था कि दोनों रिलेशनशिप में हैं, तभी से ही उनके फैंस दोनों की शादी का इंतजार कर रहे थे। कपल ने अब अपनी सगाई की तस्वीरें शेयर करके फैंस को खुशखबरी दी है। इसे लेकर विशाल के फैंस काफी खुश हैं। वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें बधाई देते दिख रहे हैं।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

धनशिका से विशाल 12 साल बड़े हैं। एक्टर ने सगाई की तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा, 'दुनिया के कोने-कोने से लोग मुझे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शुभकामनाएं और आशीर्वाद दे रहे हैं। इसके लिए आप सभी करीबियों का धन्यवाद. आज मुझे साई धनशिका के साथ हुई सगाई के बारे में आपको बताते हुए बहुत खुशी हो रही है। हमेशा की तरह आपके आशीर्वाद की कामना करता हूं।' तस्वीरों में विशाल और धनशिका के साथ ही उनका परिवार भी दिख रहा है। विशाल ने इनमें अपनी अंगूठी की फोटो भी शेयर की है। जब दोनों ने अपने रिश्ते का खुलासा किया था, तब साई धनशिका ने कहा था कि वो विशाल को 15 साल से जानती हैं। उनके मुताबिक, मुश्किल हालातों में विशाल ने उनका साथ दिया. वहीं विशाल ने कहा था कि साई को पार्टनर के रूप में पाकर वो बहुत खुश हैं और ईश्वर को इसके लिए धन्यवाद देते हैं। विशाल और साई धनशिका फिलहाल शादी की तारीख का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन जल्द ही दोनों शादी करेंगे। बताया जा रहा है कि सगाई की तरह इसमें भी करीबी रिश्तेदार ही शामिल होंगे। वर्क फ्रंट की बात करें तो विशाल अपनी 35वीं फिल्म मगुडम पर काम कर रहे हैं।

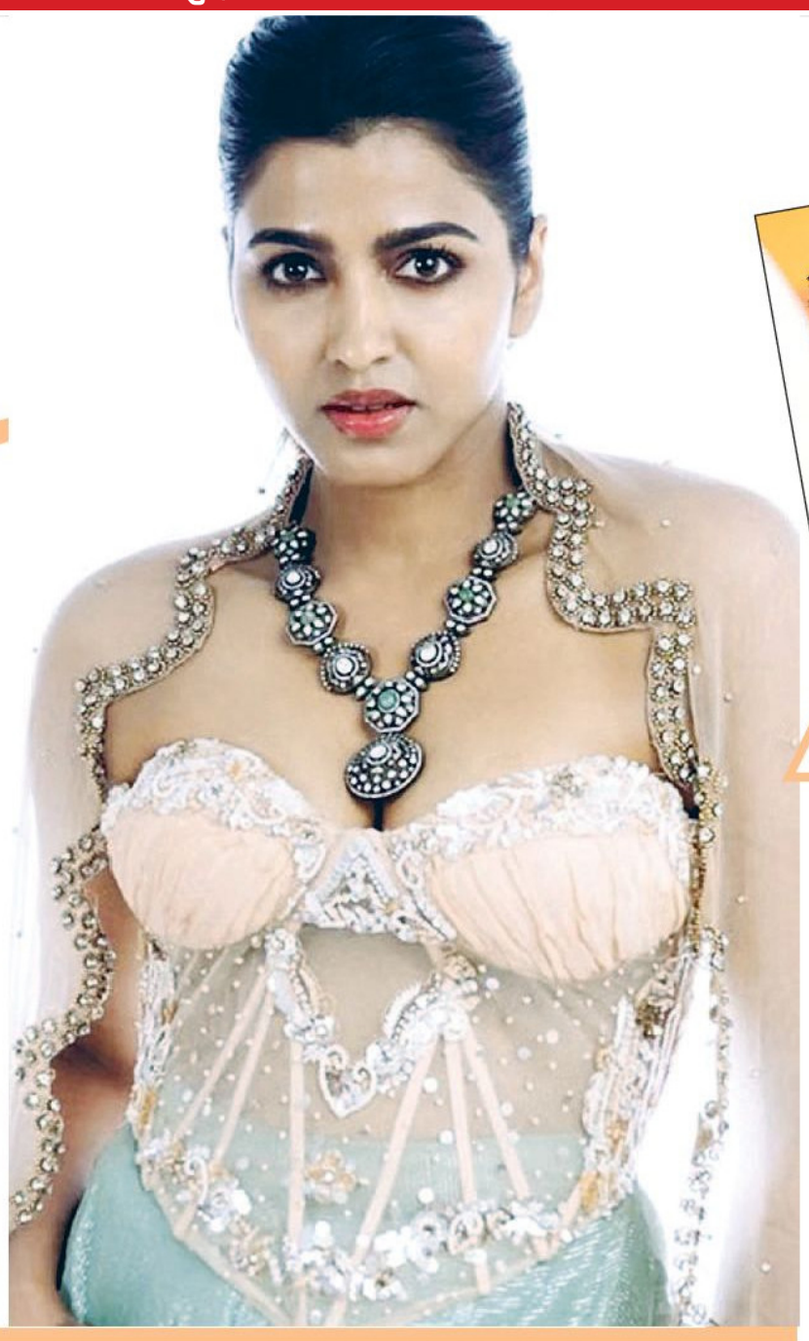

हॉलीवुड मसाला

ओल्ड टाउन रोड से मिली पहचान

लॉस एंजिल्स। अटलांटा के 26 वर्षीय रैपर और गायक लिल नैस एक्स को 2018 के अपने सबसे प्रसिद्ध एल्बम 'ओल्ड टाउन रोड' के लिए जाना जाता है। यह गाना दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था। इसके अलावा रैपर को साल 2021 में आए मोंटेरो एल्बम के लिए ग्रैमी पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया था। लिल नैस एक्स रैपर लिल नैस एक्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, पिछले चार दिन बहुत डरावने रहे हैं।

मरने से पहले अपने हर बच्चे के नाम छोड़ गया 244 करोड़ रुपए

लॉस एंजिल्स। शायद ही दुनिया में कभी ऐसा पॉप स्टार होगा, जिसके मरने पर पूरी दुनिया ने आंसू बहाए और इसकी अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए लकी टिकट निकाले गए थे। इसकी अंतिम यात्रा को स्ट्रीम किया गया, तो उसे दुनियाभर के 300 करोड़ लोगों ने देखा था। यही नहीं, मरने के 70 दिन बाद इसे दफनाया गया था और वह भी रहस्यमय तरीके से। और तो और इस पॉप स्टार ने मरने के बाद कई रिकॉर्ड बनाए थे। इसके नाम पर एक-दो नहीं, बल्कि 39 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हैं। बताया जाता है कि मौत के बाद इस पॉप स्टार की 17,110 करोड़ रुपए कमाई हुई। यह अपने हर बच्चे के नाम 244 करोड़ और बाकी प्रॉपर्टी में हिस्सा छोड़ गया था। यह थे माइकल जैक्सन, जिन्हें दुनिया 'किंग ऑफ पॉप भी कहती थी। वह दुनिया के सबसे बेहतरीन सिंगर थे। आवाज के अलावा वह अपने गानों, डांसिंग स्टाइल और मून वॉक के लिए मशहूर थे।

सनी संस्कारी ...में बाहुबली अवतार में दिखे वरुण!

मुंबई। एक्टर वरुण धवन और जान्हवी कपूर की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के मेकर्स ने शुक्रवार को टीजर रिलीज कर दिया है, जिसमें कॉमेडी और रोमांस का शानदार तड़का देखने को मिल रहा है। धर्मा प्रोडक्शन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर टीजर रिलीज किया और कैप्शन में लिखा, 'चार लोग, दो दिल तोड़ने वाले, एक शादी। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी'का टीजर रिलीज हो गया है। यह 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' 1 मिनट के टीजर की शुरुआत वरुण धवन के मस्ती भरे अंदाज से होती है, जहां वह बाहुबली अवतार में नजर आते हैं। वरुण मजेदार अंदाज में पूछते हैं, 'मैं बाहुबली लग रहा हूं ना?' जवाब में एक किरदार कहता है, 'रणवीर सिंह की धोती में प्रभास का पौधा लग रहा है!

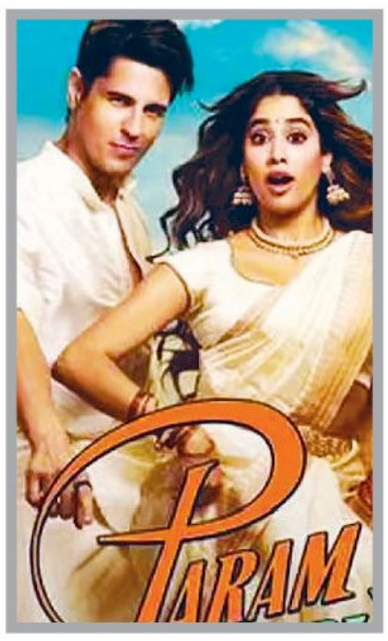

कमजोर कहानी को न परम संभाल पाए न ही सुंदरी

नई दिल्ली। सिद्धार्थ मल्होत्रा, जाह्नवी कपूर, मनजोत सिंह और संजय कपूर स्टारर फिल्म परम सुंदरी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। परम सुंदरी की कहानी कमजोर निकली, कुछ भी नयापन देखने को नहीं मिला। फिल्म की कहानी एक नॉर्थ इंडियन लड़के परम सचदेव (सिद्धार्थ मल्होत्रा) और एक साउथ इंडियन लड़की थेक्कापट्टू सुंदरी दामोदरम पिल्लई (जाह्नवी कपूर) पर आधारित है। फिल्म में न तो कोई बेहतरीन लव स्टोरी है और न ही कोई कॉमेडी जो इसे मनोरंजक बना सके। फिल्म में जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा को कई बार ओवरएक्टिंग करते देखा। जाह्नवी फिल्म में जिस तरह के रोल में थीं, उस पर खरी नहीं उतर पाईं। उन्हें अभी भी काफी मेहनत करने की जरूरत है।

टीवी मसाला

अनुपमा सिंहासन पर काबिज, पिछली बार से तुलसी की बेहतर हुई स्थिति

नई दिल्ली। 33वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट सामने आ चुकी है। पिछले बार के मुकाबले लिस्ट में बड़ा उलट-फेर नहीं हुआ है। सीरियल अनुपमा अपनी जगह पर काबिज है। सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' ने अपनी कंडीशन को कुछ बेहतर किया है। रुपाली गांगुली स्टारर सीरियल अनुपमा कई साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है, साथ ही टीआरपी लिस्ट में हमेशा टॉप फाइव में बना रहता है। 33 हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में इसे 2.3 की टीआरपी मिली है और यह पहले नंबर पर काबिज है। पिछले हफ्ते भी यह सीरियल टॉप पर बना हुआ था। सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' 2.0 की टीआरपी के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं, तीसरे नंबर पर स्मृति ईरानी स्टारर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' है, इसे 1.9 की टीआरपी मिली है। पिछले हफ्ते यह शो चौथे नंबर पर था। लगभग 17 साल से टीवी पर दर्शकों को अपनी कॉमेडी से हंसा रहा सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा'इस हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में चौथे नंबर पर है। पांचवें नंबर पर शरद केलकर स्टारर सीरियल 'तुम से तुम तक' शामिल हुआ है।

अमिताभ ने याद किया विराट का इमोशनल पल

नई दिल्ली। सोनी टीवी का क्विज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति लंबे वक्त से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। शो में अमिताभ बच्चन कई अलग-अलग किस्से और अपने विचारल फैंस के साथ शेयर करते हैं। अब शो के लेटेस्ट एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने विराट कोहली के उस इमोशनल पल को याद किया जब आईपीएल में उनकी टीम को जीत मिली थी। अमिताभ बच्चन ने कहा कि जब सालों की मेहनत के बाद व्यक्ति को जीत मिलती है तो आदमी हिल जाता है। कौन बनेगा करोड़पति 17 के लेटेस्ट एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने सामने बैठे कंटेस्टेंट से क्रिकेट से जुड़ा सवाल पूछा। सवाल था- 2025 में, अपने करियर में किसी एक फ्रेंचाइजी के लिए 9000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज कौन बने? सवाल के जवाब में कंटेस्टेंट ने तुरंत विराट कोहली का नाम लिया, जो एक सही जवाब था। इसके बाद अमिताभ बच्चन ने विराट कोहली के एक इमोशनल पल को याद करते हुए क्रिकेटर की तारीफ की। अमिताभ बच्चन ने कहा, 'विराट कोहली अपने कॅरियर में सिर्फ आरसीबी के लिए खेले हैं और ये कभी जीत नहीं पाए थे। वो दृश्य देखा होगा आपने जब वो जीते थे। इतना भावुक हो जाता है इंसान, इतना बड़ा क्रिकेटर। विश्वमर में जिसका नाम हो।

बंधनों को तोड़कर कश्मीर से उठी सुरों की इबादत

नई दिल्ली। अभिनेत्री सबा आजाद और सोनी राजदान स्टारर फिल्म 'सॉन्स ऑफ पैराडाइज' ओटीटी पर शुक्रवार को रिलीज हो गई है। कहते हैं, एक सच्चे कलाकार की कला हर धर्म, जाति, पंथ और लिंग की सीमाओं से ऊपर उठकर सिर्फ इंसानियत और भावनाओं की जुबान बोलती है। उसकी कला को समाज की बेड़ियां जकड़ नहीं सकतीं। दूसरे शब्दों में कहें तो एक कलाकार को कैद किया जा सकता है लेकिन उसकी कला को नहीं। अभिनेत्री सबा आजाद और सोनी राजदान की फिल्म 'सॉन्स ऑफ पैराडाइड' इसी सच को बयां करती है। कश्मीर की एक साधारण सी लड़की जो सपने तो देखती है मगर उन्हें पूरा करने की उसे अनुमति नहीं है। क्यों? क्योंकि वो एक लड़की है, जिसे शादी करके अपने शौहर के घर जाना है। कहने को तो 'आजाद भारत' में साल 1954 की बात है, लेकिन आजादी का असली मतलब क्या है, ये शायद किसी को नहीं पता। ये कहानी है साधारण सी लड़की 'जेबा' की, जो आगे चलकर कश्मीर की 'नूर बेगम' बनती हैं। फिल्म में सबा आजाद ने जेबा का किरदार निभाया है, जिनकी मासूमियत स्क्रीन पर देखते ही बनती है। सबा ने अपने किरदार के साथ जस्टिस करने की पूरी कोशिश की है और इसके लिए उन्हें पूरे नंबर दिए जाने चाहिए। वहीं, मौजूदा वक्त में जेबा यानी नूर बेगम का किरदार दिग्गज अभिनेत्री सोनी राजदान ने निभाया है। सोनी राजदान ने अपने अभिनय का पूरा अनुभव फिल्म में झोंक दिया है। सबसे बड़ी चुनौती जो इन अभिनेत्रियों के सामने थी वो था कश्मीरी एक्सेंट को अपनाने की, जिसके लिए इनकी तारीफ जरूर करनी चाहिए। जेबा की अम्मी के रोल में शिबा चड्ढा नजर आ रही हैं, वहीं आजाद साहब का रोल जैन खान दुर्रानी ने निभाया है। एक्टिंग के मामले में फिल्म में कहीं पर भी कोई खामी नजर नहीं आती। हर एक किरदार अपने-अपने प्लॉट के हिसाब पूरी तरह खरा उतरता है।

जय गणपति . . गणनायक...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन गुरुवार को मुंबई स्थित अपने आवास पर 'गणेश चतुर्थी' उत्सव के दौरान।

जापान के कोबे शहर में हुई थी सायोनारा गाने की शूटिंग

तब 16 साल के थे पीएम मोदी, जब सायोनारा की थी भारत में गूंज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

करीब 59 साल पहले आई फिल्म लव इन टोक्यो को इस वक्त याद करना तो बनता है। इस वक्त जहां भारत के प्रधानमंत्री इस वक्त जापान के टोक्यो में हैं और ये फिल्म उनके टीनेज के दिनों की है। पीएम मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन के तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। आज हम यहां उस फिल्म को याद करने जा रहे हैं जो जापान से जुड़ा है और जब ये फिल्म रिलीज हुई थी तो पीएम मोदी करीब 16 साल के रहे होंगे। अपने युवा दौर में यकीनन उन्होंने भी इस फिल्म और इसके फेमस गाने 'सायोनारा' का लुत्फ जरूर उठाया होगा। आज हम इसी 'सायोनारा' की कहानी सुनाने जा रहे हैं। 'सायोनारा' गाना फिल्माया गया था आशा पारेख पर, जिनकी खूबसूरती ने इसमें चार चांद लगा दिया था। इसमें आवाज दी थी लता मंगेशकर ने, जिनकी आवाज आज भी हर किसी के दिलों में जवां है।

लव इन टोक्यो को खूब मिली सफलता

'लव इन टोक्यो' बताती है कि उन्हें इतनी सफलता क्यों मिली। ये फिल्म बेहतरीन और आकर्षक होने के साथ-साथ नैतिक रूप से भी ईमानदार रही जिसने दर्शकों को बीच-बीच में मुस्कुराने, इमोशनल करने और खिलखिलाने पर मजबूर किया। वैसे तो इस फिल्म में कई गाने थे, जिसमें 'ले गई दिल गुड़िया जापान की' और 'सायोनारा सायोनारा' भी शामिल हैं। 'सायोनारा' ने अधिक पॉप्युलैरिटी बटोरी जिसकी वजह शायद ये शब्द 'सायोनारा' था। गाने में आवाज दी थी स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने, लेकिन इसे लिखा था हसरत जयपुरी ने। संगीत शंकर जयकिशन का था। बताया जाता है कि 'सायोनारा' की शूटिंग जापान के कोबे शहर में हुई लेकिन जापानी दृश्यों को क्योटो में फिल्माया गया था। फिल्म में क्योटो के कुछ रियल लोकेशन थे।

उस दौर में रेडियो पर लोगों ने इस गाने को खूब सुना

आशा पारेख और जॉय मुखर्जी की लीड रोल वाली ये फिल्म 'लव इन टोक्यो' ऐसी ही फिल्म थी, जो प्यारी और मनोरंजक थी। 1960 के दशक में कई फिल्में आईं जिसने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी और लोगों की यादों में हमेशा के लिए रह गई। उन्ही दिनों साल 1966 में रिलीज हुई 'लव इन टोक्यो' जिसका गाना 'सायोनारा' अपने रोमांटिक अंदाज, जापान के अद्भुत लोकेशन और दिल को छू लेने वाले धुनों का ऐसा मेल था जिसे देखने वालों ने ही नहीं बल्कि सुनने वालों ने भी खूब प्यार दिया।

लव इन टोक्यो की कहानी

लव इन टोक्यो' की कहानी टोक्यो, जापान के बैकग्राउंड पर सेट है, जहां अशोक यानी (जॉय मुखर्जी) अपने भतीजे चिक्कू को भारत से लाने के लिए जापा पहुंचता है। दरअसल गायत्री देवी (ललिता पवार) अपने बेटे अशोक को जापान भेजती है ताकि उसका पोता उसके पास आ जाए। गायत्री देवी का एक बड़ा बेटा था, जिसने उसके आशीर्वाद के बिना जापानी मूल की लड़की से शादी की थी। वह चाहती है कि अशोक सरिता से शादी कर ले, लेकिन अशोक सरिता में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाता है। उधर जापान पहुंचने के बाद अशोक आशा (आशा पारेख) से मिलता है और दोनों में प्यार हो जाता है। वहीं ,अब आशा के चाचा चाहते हैं कि आशा प्राण (प्राण) से शादी कर ले, लेकिन आशा को वो पसंद नहीं और फाइनली वो अशोक के साथ भाग जाती है।

आशा पारेख कब गाती हैं सायोनारा

इसी फिल्म मे जब अशोक आशा (आशा पारेख) से मिलता है तो दोनों की लव स्टोरी शुरू होती है। आशा एक सिख लड़के और फिर चिजुरु (चिक्कू की कथित मौसी) के भेष में अशोक से मिलती है। इस फिल्म में दोनों के बीच फिल्माया गाना 'सायोनारा सायोनारा' उसी सीन में आता है। जब आशा, चिजुरु के रूप में, अशोक के साथ रोमांटिक अंदाज में छेड़खानी करती है और वादा करती है कि वह फिर मिलेगी। 'सायोनारा' एक जापानी शब्द है जिसका मतलब अलविदा है। हालांकि फिल्म के गाने 'सायोनारा सायोनारा, वादा निभाऊंगी सायोनारा, इठलाती और बलखाती, कल फिर आऊंगी सायोनारा' में इस शब्द का इस्तेमाल एक चंचल और रोमांटिक विदाई की तरफ इशारा करता है जिसमें फिर मुलाकात का इशारा है। ये फिल्म के टोक्यो सेटिंग के साथ मेल खाता है।

अमेरिकी ओपन : चार साल के बाद नाओमी पहली बार पहुंची तीसरे दौर में

एजेंसी ▸▸ न्यूयॉर्क

जापान की नाओमी ओसाका 2021 के बाद पहली बार अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई, जिन्होंने हैली बापटिस्टे को 6-3, 6-1 से हराया। ओसाका ने अपने चारों ग्रैंडस्लैम हार्डकोर्ट पर जीते हैं, जिनमें दो अमेरिकी ओपन और दो आस्ट्रेलियाई ओपन शामिल है।

वह 2020 में आखिरी बार यहां खिताब जीती थी, जिसके बाद 2021 में तीसरे, 2022 में पहले और 2024 में दूसरे दौर से बाहर हो गई थी। इस साल विम्बलडन में तीसरे दौर में बाहर होने के बाद ओसाका ने कोच पैट्रिक मूराटोग्लू से अलग होने का फैसला किया और अब नए कोच टोमाज विक्टोरोवस्की के साथ हैं, जो इगा स्वियातेक की टीम में रह चुके हैं।

स्वियातेक और सिनेर की शानदार जीत

विम्बलडन चैंपियन स्वियातेक ने नीदरलैंड की 66वीं रैंकिंग वाली सुजैन लामेंस को 6-1, 4-6, 6-4 से हराया । वहीं विम्बलडन पुरुष एकल खिताब विजेता यानिक सिनेर ने अलेक्सेइ पोपिरिन को 6-3, 6-2, 6-2 से मात दी। अमेरिका की कोको गाफ ने डोन्ना वेकिच को 7-6, 6-2 से हराया। उनकी

हमवतन अमांडा अनिसिमोवा ने माया जॉइंट को 7-6, 6-2 से मात दी। पुरुष वर्ग में तीसरी रैंकिंग वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जैकब फीयर्नली को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। वहीं टॉमी पॉल ने साढे चार घंटे तक चले मैच में नुनो बोर्गेस को 7-6 (6), 6-3, 5-7, 5-7, 7-5 से शिकस्त दी।

महिला युगल में पहला मैच जीती वीनस

न्यूयॉर्क। चौदह बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स ने अपनी छोटी बहन सेरेना के बिना पिछले 14 साल में पहली बार अमेरिकी ओपन महिला युगल मैच जीता। लैला फर्नांडिज के साथ मिलकर उन्होंने छठी वरीयता प्राप्त एन. किचेनोक और एलेन पेरेज की जोड़ी को 7-6, 6-3 से हराया। 45 वर्ष की वीनस और लैला का दर्शकों ने खड़े होकर अभिवादन किया। वीनस एकल वर्ग के पहले ही दौर में हार गई थी। वह 2022 के बाद पहली बार यहां युगल वर्ग में खेल रही है।

खबर संक्षेप

मुंबई में अगले साल विश्व यूनिवर्सिटी स्क्वाश चैंपियनशिप

मुंबई। अगले साल तीन से नौ अगस्त तक मुंबई में आयोजित होने वाली एफआईएसयू विश्व यूनिवर्सिटी स्क्वाश चैंपियनशिप में 20 से ज्यादा देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह टूर्नामेंट सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय में आयोजित होगा, जिसे भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के सहयोग से और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय खेल महासंघ (एफआईएसयू) के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। एफआईएसयू अंतरराष्ट्रीय संचालन संस्था है, जो विश्व विश्वविद्यालय खेलों और विश्व विश्वविद्यालय चैंपियनशिप जैसे टूर्नामेंट का आयोजन करती है।

एफआईएच प्रो लीग में शामिल पाक हॉकी टीम

नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी टीम पुरुषों की एफआईएच प्रो लीग के आगामी सातवें सत्र का हिस्सा होगी, जिससे उसके 'होम एंड अवे' प्रारुप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान भारत के साथ किसी तटस्थ स्थल पर भिड़ंत की संभावना है। पाकिस्तान आगामी सत्र में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, इंग्लैंड, जर्मनी, भारत, नीदरलैंड और स्पेन के साथ शामिल होगा। इस साल की शुरुआत में मलेशिया में खेले गए एफआईएच हॉकी नेशंस कप के जरिए पाकिस्तान को प्रोमोट किया गया। विश्व संचालन संस्था एफआईएच ने कहा, 'इसलिए नियमों के अनुसार एफआईएच ने उपविजेता पाकिस्तान को भी निमंत्रण दिया है, जिन्होंने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।'

डब्ल्यूपीजीटी: अमनदीप ने जीता खिताब

होसुर। अमनदीप द्राल ने अंतिम दिन एक अंडर 71 का कार्ड खेलने के बाद महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के 12वें चरण का खिताब अपने नाम किया। अमनदीप की यह 2025 सत्र में दूसरी जीत है। उन्होंने तीन दिन में कुल दो अंडर 214 का स्कोर बनाया। उन्होंने युवा अनन्या गर्ग को पछाड़ा जो 2024 में हीरो डब्ल्यूपीजीटी की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ उदीयमान गोल्फर रही थीं।

भारतीय भारोत्तोलकों ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में सात पदक जीते

अहमदाबाद। भारतीय भारोत्तोलकों ने राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप के 5वें दिन सीनियर वर्ग में एक रजत और एक कांस्य सहित कुल सात पदक जीते जबकि उभरते हुए स्टार साईराज परदेशी ने रिकॉर्ड प्रदर्शन से स्वर्ण पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। मौजूदा राष्ट्रीय खेलों के चैंपियन दिलबाग सिंह ने पुरुषों की 94 किग्रा स्पर्धा में कुल 342 किग्रा (153 किग्रा स्नैच + 189 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाकर रजत पदक जीता। इस वजन वर्ग का स्वर्ण पदक मलेशिया के मोहम्मद सैहमी बिन नोर गजाली ने जीता जिन्होंने 343 किग्रा (150 किग्रा + 193 किग्रा) के साथ दिलबाग को पीछे छोड़ा जबकि ऑस्ट्रेलिया के ओलिवर सैक्सटन ने 336 किग्रा (150 किग्रा + 186 किग्रा) के साथ कांस्य पदक प्राप्त किया। वंशिता वर्मा ने सीनियर महिला 86 किग्रा वर्ग में 222 किग्रा (95 किग्रा + 127 किग्रा) उठाकर कांस्य पदक जीता।

नॉर्थ जोन और ईस्ट जोन के क्वार्टर फाइनल का मुकाबला रहा रोमांचक

दलीप ट्रॉफी : आकिब नबी ने रचा इतिहास, 4 गेंदों पर झटके 4 विकेट

एजेंसी ▸▸ बेंगलुरु

आकिब नबी ने दलीप ट्रॉफी में इतिहास रच दिया। इस टूर्नामेंट में 4 गेंदों पर 4 विकेट लेने वाले वह पहले गेंदबाज बन गए हैं। आकिब ने हैट्रिक पूरी कर दिग्गज कपिल देव के क्लब में पहुंच गए। जम्मू-कश्मीर के बारामूला के 28 वर्षीय तेज गेंदबाज ने बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर खेले जा रहे नॉर्थ जोन और ईस्ट जोन के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में लगातार 4 विकेट लिए।

53वें ओवर में आकिब नबी ने आखिरी तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर ईस्ट जोन की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर अपनी हैट्रिक पूरी की। उन्होंने सूरज जायसवाल को 10 रन पर आउट कर विकेटकीपर कन्हैया वधावन को कैच कराया। फिर मनीषी को शून्य पर एलबीडब्ल्यू आउट किया और मुख्तार हुसैन को बिना खाता खोले क्लीन बोल्ड कर दिया।

पारी की शुरुआत में आकिब विराट सिंह को 69 रन पर आउट किया और अंततः अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सिर्फ 1 रन पर आउट करके पूर्वी क्षेत्र की पहली पारी का अंत किया और अपने पांच विकेट पूरे किए।

शमी ने लुटाए 100 रन

टीम इंडिया से बाहर चल रहे अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद शमी ने घरेलू क्रिकेट में वापसी करते हुए दलीप ट्रॉफी में हैरान करने वाला काम किया है। वह ईस्ट जोन टीम का हिस्सा हैं जो नॉर्थ जोन के खिलाफ खेल रही है। इस मैच में शमी ने गेंदबाजी की और ऐसा प्रदर्शन किया, जिसकी उम्मीद उनसे कभी नहीं की जाती। शमी ने इस मैच में शतक जमाया, लेकिन ये सैकड़ा रनों को लुटाने वाला था। उनकी गेंदबाजी प्रभावी नहीं दिखी और वह आसानी से रन लुटाते रहे। उनको पहली पारी में शमी ने पूरी तरह से निराश किया। नॉर्थ जोन ने 405 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसमें 100 रन तो शमी ने ही बनवा दिए थे। दाएं हाथ के इस गेंदबाज ने 23 ओवर फेंके और सिर्फ एक विकेट ही ले पाए। शमी से इस तरह का प्रदर्शन की उम्मीद नहीं रहती है।

मालेवर ने लगाया दोहरा शतक

भारत के घरेलू क्रिकेट में दलीप ट्रॉफी 2025 में इस समय सेंट्रल जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच में सेंट्रल जोन की तरफ से 21 साल के दानिश मालेवर और रजत पाटीदार ने कमाल का प्रदर्शन किया है। इन दोनों ही बल्लेबाजों ने शतक लगाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। मालेवर ने दोहरा शतक लगाकर

गेंदबाजों की जमकर धज्जियां उड़ाई हैं। मालेवर ने बेहतरीन बल्लेबाजी का नमूना पेश किया। वह विरोधी गेंदबाजों के सामने किसी दीवार की तरह खड़े रहे और सधी हुई बल्लेबाजी की। उन्होंने पहले दिन 219 गेंदों में कुल 198 रन बनाए थे, जिसें 35 चौके और एक छक्का शामिल रहा था। मैच के दूसरे दिन अपने स्कोर में दो रन जोड़ते ही उन्होंने डबल सेंचुरी जड़ दी है।

मनीषी ने लिए 6 विकेट

झारखंड के जमशेदपुर में जन्मे इस लेफ्ट आर्म स्पिनर मनीषी ने अपनी फिरकी का जादू दिखाते हुए नॉर्थ जोन के 6 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। 21 साल के स्लो लेफ्ट आर्म स्पिनर मनीषी ने दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए नॉर्थ जोन के खिलाफ पहले दिन 3 विकेट लिए थे। उन्होंने दूसरे दिन भी 3 विकेट लेकर अपने विकेटों की संख्या छह पर पहुंचाई। उन्होंने इस दौरान 22.2 ओवर की गेंदबाजी की और 111 रन खर्च किए। मनीषी ने टॉप ऑर्डर के तीनों बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया और तीनों ही बल्लेबाज एलबीडब्ल्यू आउट हुए। फिर उन्होंने और 3 बल्लेबाजों को भी आउट किया और वो तीनों भी एलबीडब्ल्यू आउट होकर ही पवेलियन लौटे। मनीषी अपने फर्स्ट क्लास करियर का नौवां मैच खेल रहे हैं।

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप

गुरप्रीत का शानदार प्रदर्शन भारत को दिलाया स्वर्ण पदक

एजेंसी ▸▸ मशिमकेट

पिस्टल निशानेबाज गुरप्रीत सिंह ने लगातार दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप के अंतिम दिन शुक्रवार को 25 मीटर सेंटर फायर स्पर्धा में भारत को टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक दिलाया। सेना के इस 37 वर्षीय निशानेबाज ने राजकंवर सिंह संधू और अंकुर गोयल के साथ मिलकर सेंटर फायर पिस्टल में 1733 अंकों के कुल स्कोर के साथ एक और बड़ी जीत हासिल की, जिससे भारत ने महाद्वीपीय प्रतियोगिता में गैर-ओलंपिक स्पर्धाओं में अपना दबदबा कायम किया। उन्होंने इस से पहले गुरुवार को 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने और टीम वर्ग में भी देश को शीर्ष पोडियम स्थान दिलाने में मदद की थी। गुरप्रीत, संधू (583) और अंकुर (571) की तिकड़ी ने 1733 अंक के साथ दबदबा बनाते हुए टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक हासिल किया। वियतनाम (1720) और ईरान (1700) ने इस स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता।

- मानिनी ने 50 मीटर राइफल प्रोन में जीता कांस्य

मानिनी का पहला अंतरराष्ट्रीय पदक

युवा भारतीय निशानेबाज मानिनी कौशिक ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल करने के साथ ही टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने में भी अहम भूमिका निभाई। मानिनी का व्यक्तिगत स्पर्धा में यह पहला अंतरराष्ट्रीय पदक है। जयपुर की 24 साल की इस निशानेबाज ने 617.8 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया की हाना इम (620.2) और यूनसेओ ली (620.2) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। मानिनी ने प्रतियोगिता में पांचवां स्थान हासिल किया था, लेकिन उनसे आगे रहने वाले दो निशानेबाज दक्षिण कोरिया की येलीन चोई (620.1) और भारत की सिफ्त कौर सामरा (617.9) सिर्फ रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। आरपीओ निशानेबाज केवल अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग अंक के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं।

बेल्ट एंड रोड टूर्नामेंट

भारतीय मुक्केबाजों ने बेल्ट एंड रोड टूर्नामेंट में 7 स्वर्ण पदक जीते

भाषा ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाजों ने चीन के शिनजियांग में तीसरे बेल्ट एंड रोड अंतरराष्ट्रीय युवा मुक्केबाजी गाला में सात स्वर्ण के साथ कुल 26 पदक जीते। इसमें अंडर 17, अंडर 19 और अंडर 23 वर्ग में स्पर्धायें होंगी। लड़कियों की टीम ने फाइनल में दबदबा कायम करते हुए पांच स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य पदकों के साथ दबदबा बनाया। लक्ष्मी (46 किग्रा), राधामणि (60 किग्रा), हरनूर (66 किग्रा), ज्योति (75 किग्रा) और अंशिका (80 किग्रा से अधिक) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किए, जबकि चंद्रिका (54 किग्रा) को चीन की मुक्केबाजी से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय मुक्केबाजों के बीच हुए 46 किग्रा, 60 किग्रा, 66 किग्रा और 80 किग्रा से अधिक की श्रेणियों में अतिरिक्त रजत और कांस्य पदक सुनिश्चित हुए। लड़कों के वर्ग में भारत ने दो स्वर्ण, दो रजत और छह कांस्य पदक जीते। फलक (48 किग्रा) और उधम सिंह राघव (54 किग्रा) ने कजाकिस्तान के अपने प्रतिद्वंद्वियों पर शानदार जीत के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि ध्रुव खर्ब (46 किग्रा) और पीयूष (50 किग्रा) को करीबी मुकाबलों के हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। उदय सिंह (46 किग्रा), आदित्य (52 किग्रा), आशीष (54 किग्रा), देवेंद्र चौधरी (75 किग्रा), जयदीप सिंह हंजरा (80 किग्रा) और लोवेन गुलिया (80 किग्रा से अधिक) ने कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में योगदान दिया। भारत ने इस आयोजन में 58 सदस्यीय दल भेजा है जिसमें अंडर 17 वर्ग में 20 लड़के और 20 लड़कियां हैं जबकि साथ में 12 कोच, पांच सहयोगी स्टाफ, एक रैफरी और एक जज हैं ।

नगालैंड ने 151 खिलाड़ियों को किया सम्मानित

कोहिमा। नगालैंड ने पूर्वोत्तर क्षेत्र, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्य 151 खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सम्मानित किया। युवा संसाधन और खेल सलाहकार एसकेओशु यिमखियुंग ने बताया कि राज्य सरकार 'खेलो भारत नीति 2025' के अनुरुप एक नई खेल नीति का मसौदा तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह नीति राज्य के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगी और इसमें खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखा जाएगा। इस मौके पर नगालैंड के पुलिस महानिदेशक रुपिन शर्मा ने कहा कि राज्य पुलिस जल्द ही भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगी, जिसमें योग्य खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप

क्वार्टर फाइनल से बाहर ध्रुव-तनिषा

पेरिस। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी चेन तांग जी और तोह ई वेई की मलेशियाई जोड़ी से सीधे गेम में हारकर बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप से बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला मिश्रित युगल पदक जीतने की कोशिश में थी लेकिन उन्हें दुनिया की चौथे

नंबर की जोड़ी से 37 मिनट में 15-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में जीत से भारतीय जोड़ी को कम से कम कांस्य पदक की गारंटी मिल जाती। दुनिया की 17वें नंबर की भारतीय जोड़ी ने गुरुवार को हांगकांग की तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट की पांचवें नंबर की जोड़ी को हराकर उलटफेर किया था।

टाइमिंग के कारण हुई चूक, विश्व चैंपियनशिप तक लय हासिल करने की कोशिश : चोपड़ा

एजेंसी ▸▸ ज्यूरिख

भारतीय भाला फेंक नीरज चोपड़ा ने स्वीकार किया कि डायमंड लीग फाइनल में उनकी टाइमिंग अच्छी नहीं थी लेकिन उन्हें उम्मीद है कि अगले महीने टोकियो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप तक वह लय हासिल कर लेंगे। चोपड़ा लगातार तीसरी बार डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। जर्मनी के जूलियन वेबर ने 90 मीटर से अधिक के दो थ्रो फेंककर खिताब जीता।

चोपड़ा ने फाइनल के बाद कहा,' आज टाइमिंग अच्छी नहीं रही और रनअप खराब रहा। अभी हालांकि विश्व चैंपियनशिप में तीन सप्ताह का समय है और मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा।'' चोपड़ा ने इस साल दोहा डायमंड लीग में पहली बार 90 मीटर की बाधा पार की लेकिन वह कई बार कह चुके हैं कि लगातार इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए उन्हें अपनी तकनीक में सुधार करना होगा।

उन्होंने कहा,' यह उतना बुरा नहीं था। लेकिन हम विश्व चैंपियनशिप के काफी करीब है लिहाजा सुधार जरूरी है। कुछ चीजें अच्छी रही और कुछ नहीं। आखिरी प्रयास में मैंने 85 मीटर का थ्रो फेंका। लेकिन मैं जूलियन के लिए बहुत खुश हूं, जिसने 91 मीटर का थ्रो फेंका। हम तीन सप्ताह बाद फिर मिलेंगे।'

एशिया कप में भारत ने चीन को रौंदकर की विजयी शुरुआत

चीन पर भारी पड़े टीम इंडिया के जांबाज, कप्तान हरमनप्रीत ने जड़ी हैट्रिक

एजेंसी ▸▸ राजगीर

कप्तान हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय हॉकी टीम ने शुक्रवार को शुरू हुए 12वें एशिया कप में चीन के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की है। भारतीय टीम ने अपने पहले मुकाबले में चीन को 4-3 के अंतर से मात दी।

चीन ने मेजबान टीम को कड़ी टक्कर दी भारत के लिए तीन गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह (19, 33, 47) ने और एक जुगराज सिंह(17) ने किया। वहीं चीन के लिए एक-एक गोल डु शिहाओ(11'), चेन बेनहाई(34') और गाओ जिशेंग (41') ने किए। दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली।

चीन दागा पहला गोल, फर्स्ट हाफ में भारत 2-1 से आगे

मैच की शुरुआत दोनों टीमों ने सधे हुए अंदाज में की। मैच में पहला गोल चीन ने पहले क्वार्टर के 11वें मिनट में करके 1-0 की बढ़त बना ली। चीनी टीम के लिए खाता डु शिहाओ ने खोला। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। पहले क्वार्टर का अंत चीन की 1-0 की बढ़त के साथ हुआ। दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में जुगराज सिंह(17') ने फील्ड गोल करके भारतीय टीम को 1-1 की बराबरी पर ला दी। उन्होंने 19वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करके भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। हॉफ टाइम में भारतीय टीम 2-1 से आगे थी।

हरमनप्रीत ने दिलाई बढ़त

मैच के चौथे और निर्णायक क्वार्टर की शुरुआत में भारतीय टीम को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले। हरमनप्रीत ने एक बार फिर कमान संभाली और 47वें मिनट में शानदार ड्रैग फ्लिक करके टीम इंडिया को एक बार फिर 4-3 से आगे कर दिया। इस गोल के साथ ही हरमनप्रीत सिंह ने मैच में अपनी हैट्रिक भी पूरी कर ली। इसके बाद अंतिम 13 मिनट में भारतीय टीम ने आक्रामक रुख बनाए रखा। अंत में और कोई गोल नहीं हुआ और भारत ने मैच 4-3 के अंतर से अपने नाम कर लिया।

कोरिया ने चीनी ताइपै को दी 7-0 से शिकस्त

एक गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए मलेशिया ने निचली रैंकिंग वाली बांग्लादेश टीम को एशिया कप पुरुष हॉकी टूर्नामेंट के पहले दिन शुक्रवार को 4-1 से हराया जबकि गत चैंपियन कोरिया ने चीनी ताइपै को 7-0 से शिकस्त दी। पूल बी के दूसरे मैच में कोरिया के लिये डैन सोन (17वां, 29वां और 58वां मिनट) ने हैट्रिक लगाई जबकि जिहुन यांग (27वां और 50वां मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल दागे। सियोंग ने 53वें मिनट में एक गोल किया। कोरिया के लिए 54वें मिनट में यूनहो कोंग और आखिरी मिनटों में सोन ने गोल करके टीम को शानदार जीत दिलाई।

टैरिफ विवाद पर राजनाथ सिंह का बयान: "दोस्त-दुश्मन नहीं, सिर्फ परमानेंट इंटरेस्ट"

बदलती भू-राजनीति और भारत की भूमिका

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ और उसके बाद दुनिया भर में बढ़ी व्यापारिक तनातनी के बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक अहम बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अंतरराष्ट्रीय रिश्तों में कोई परमानेंट दोस्त या दुश्मन नहीं होता, बल्कि परमानेंट केवल "इंटरेस्ट" यानी हित होता है। भारत भी इसी सिद्धांत पर चल रहा है और किसी भी कीमत पर अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। राजनाथ सिंह शनिवार को एनडीटीवी डिफेंस समिट में बोल रहे थे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब वैश्विक स्तर पर "ट्रेड वॉर" की स्थिति बनी हुई है। अमेरिका, चीन और यूरोप जैसे बड़े देश संरक्षणवादी नीतियों की ओर बढ़ रहे हैं और इसका असर भारत सहित उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ रहा है।

संरक्षणवाद का बढ़ता दौर

पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका ने कई देशों से आयात पर भारी टैरिफ लगाए हैं। स्टील, एल्युमीनियम से लेकर इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स और कृषि उत्पाद तक, कई सेक्टर इससे प्रभावित हुए हैं। ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि ये कदम अमेरिकी उद्योग और रोजगार को बचाने के लिए जरूरी हैं, लेकिन इन नीतियों से वैश्विक व्यापार की आज़ादी पर खतरा मंडरा रहा है। भारत भी इस टैरिफ की मार झेल रहा है। अमेरिका ने भारतीय स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इसके जवाब में भारत ने भी कुछ अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाने की तैयारी की थी। ऐसे माहौल में राजनाथ सिंह का यह बयान भारत की स्पष्ट नीति को दर्शाता है – कि भारत न किसी को स्थायी दुश्मन मानता है और न ही स्थायी दोस्त, लेकिन अपने हितों की रक्षा करना जानता है।

भारत की विदेश नीति – हित सर्वोपरि

राजनाथ सिंह ने कहा कि "भारत किसी को अपना दुश्मन नहीं मानता। लेकिन हम राष्ट्रीय हित और अपने लोगों के हित से समझौता नहीं करेंगे।" यह बयान भारत की विदेश नीति के उस पुराने सिद्धांत की याद दिलाता है जिसमें "अलाइन्मेंट" से ज्यादा "स्ट्रैटेजिक ऑटोनॉमी" पर जोर दिया गया है। यानी भारत किसी एक ब्लॉक या गुट का स्थायी सदस्य नहीं बनना चाहता, बल्कि परिस्थिति के अनुसार अपने फैसले लेता है।

ट्रम्प टैरिफ और नए समीकरण

राजनाथ सिंह का बयान उस समय आया है जब मीडिया रिपोर्ट्स में यह कहा जा रहा है कि ट्रम्प की टैरिफ नीति ने भारत, रूस और चीन को एक-दूसरे के करीब ला दिया है। दरअसल, अमेरिका का दबाव और उसके द्वारा लिए गए संरक्षणवादी कदमों ने कई देशों को एक साझा मंच पर आने को मजबूर किया है। भारत और चीन जैसे बड़े आयात-निर्यात वाले देशों के लिए अमेरिका के साथ व्यापारिक टकराव नई रणनीति बनाने की ज़रूरत पैदा करता है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान दौरे के बाद चीन रवाना हुए हैं। वे वहां शंघाई सहयोग संगठन (SCO) समिट में हिस्सा लेंगे और रूस-चीन के राष्ट्रपतियों से मुलाकात करेंगे। संभावना जताई जा रही है कि इस बैठक में अमेरिका की टैरिफ नीति और उसके असर पर भी चर्चा हो सकती है।

रक्षा और आर्थिक सुरक्षा – दोनों महत्वपूर्ण

रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि आज के दौर में आर्थिक सुरक्षा भी रक्षा नीति का अहम हिस्सा है। अगर किसी देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ता है तो उसकी रक्षा क्षमता भी कमजोर होती है। इसलिए भारत को हर स्तर पर अपने आर्थिक हितों की सुरक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि "विकसित देश तेजी से संरक्षणवादी हो रहे हैं।" ऐसे में भारत को अपनी आर्थिक नीतियों को मजबूत करना होगा। राजनाथ ने इशारा किया कि भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है ताकि बाहरी दबाव से बचा जा सके।

बदलती भू-राजनीति और भारत की भूमिका

आज की दुनिया में मित्र और शत्रु का निर्धारण स्थायी नहीं है। उदाहरण के तौर पर, अमेरिका और चीन कभी सबसे बड़े व्यापारिक सहयोगी थे, लेकिन आज वे एक-दूसरे के खिलाफ टैरिफ युद्ध में उलझे हैं। इसी तरह रूस और चीन, जो पहले शीत युद्ध के दौर में अलग-अलग खेमों में थे, अब साझेदारी की ओर बढ़ रहे हैं। भारत का रुख साफ है – वह किसी गुटबंदी में नहीं फंसना चाहता। चाहे अमेरिका हो, रूस हो या चीन – भारत सबके साथ रिश्ते बनाए रखना चाहता है, लेकिन यह रिश्ते उसके राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होंगे।

राजनाथ सिंह के बयान का संदेश

राजनाथ सिंह के बयान का राजनीतिक और रणनीतिक महत्व है। भारत अमेरिका की टैरिफ नीति का विरोध करते हुए भी पूरी तरह से उसके खिलाफ नहीं जाना चाहता। भारत चीन और रूस के साथ सहयोग बढ़ाने के संकेत दे रहा है, लेकिन यह "गठबंधन" के रूप में नहीं, बल्कि साझा हितों के आधार पर होगा। भारत यह संदेश भी दे रहा है कि कोई भी बाहरी दबाव उसकी नीतियों को बदल नहीं सकता। राजनाथ सिंह का बयान भारत की विदेश और आर्थिक नीति का सार है – "न कोई परमानेंट दोस्त, न कोई परमानेंट दुश्मन, सिर्फ परमानेंट इंटरेस्ट।" ट्रेड वॉर और संरक्षणवाद की इस वैश्विक हलचल में भारत संतुलित भूमिका निभा रहा है।

RCB ने पीड़ित परिवारों को दी आर्थिक मदद: 25-25 लाख रुपए की घोषणा

-आर्थिक मदद के बावजूद परिवार अपने अपनों की कमी महसूस कर रहे हैं

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने हाल ही में एक बड़ा फैसला लिया है। 4 जून 2025 को बेंगलुरु में आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान मचे भगदड़ हादसे में जिन 11 लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनके परिवारों को 25-25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। इस दुखद घटना ने खेल की खुशी को मातम में बदल दिया था। RCB ने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि, "टीम इस कठिन समय में सभी पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। यह आर्थिक मदद उनके जीवन को थोड़ा संबल देने और आगे बढ़ने में सहारा देने के लिए की जा रही है।"

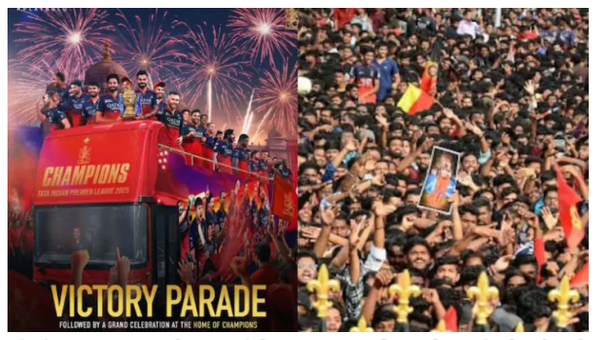

पहली बार IPL चैंपियन बनी RCB

इस साल RCB की टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार IPL का खिताब अपने नाम किया। लंबे समय से "कभी ट्रॉफी न जीत पाने" का टैग झेल रही टीम ने आखिरकार खिताब जीतकर अपने फैन्स का सपना पूरा किया। जीत के बाद टीम मैनेजमेंट ने बेंगलुरु में विक्ट्री परेड आयोजित करने का फैसला लिया, ताकि खिलाड़ी अपने प्रशंसकों के बीच जीत का जश्न मना सकें। लेकिन इस परेड में वह हुआ जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। लाखों फैन्स की भीड़ उमड़ पड़ी, व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई और भगदड़ मच गई। इस अफरा-तफरी में 11 लोग अपनी जान गंवा बैठे और 50 से अधिक लोग घायल हो गए।

जांच रिपोर्ट ने ठहराया RCB को जिम्मेदार

17 जुलाई को कर्नाटक सरकार ने इस हादसे की जांच रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में RCB की लापरवाही की ओर इशारा करते हुए कहा गया कि फ्रेंचाइजी ने विजय परेड के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में परमिशन नहीं ली थी। आयोजन को लेकर पर्याप्त सुरक्षा इंतज़ाम नहीं किए गए। अचानक इस परेड को रोकना संभव नहीं था, क्योंकि इससे हिंसा और कानून-व्यवस्था बिगड़ने का खतरा था। रिपोर्ट में भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी और RCB के दिग्गज विराट कोहली का भी उल्लेख किया गया। यह बताया गया कि परेड को लेकर फैन्स में भारी उत्साह था और यही वजह थी कि नियंत्रण से बाहर भीड़ इकट्ठा हो गई।

हादसे के बाद उठे सवाल

यह घटना कई गंभीर सवाल खड़े करती है – क्या RCB को इतनी बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ का अंदाज़ा नहीं था? क्या टीम मैनेजमेंट और स्थानीय प्रशासन को सुरक्षा इंतज़ाम पुख्ता नहीं करने चाहिए थे? क्या आयोजन को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी सिर्फ पुलिस की थी या फ्रेंचाइजी पर भी इसका दायित्व था? इन सवालों पर अभी भी बहस जारी है। कई सामाजिक संगठनों ने इसे प्रशासन और RCB दोनों की संयुक्त नाकामी बताया है।

RCB की आर्थिक मदद – संवेदना या दबाव?

RCB द्वारा पीड़ित परिवारों को 25-25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा निश्चित ही एक सकारात्मक कदम है। इससे परिवारों को जीवन में दोबारा खड़े होने में कुछ मदद मिलेगी। लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह कदम जांच रिपोर्ट के दबाव और नकारात्मक छवि सुधारने की कोशिश भी हो सकता है। दूसरी ओर, पीड़ित परिवारों का कहना है कि आर्थिक मदद ज़रूरी है, लेकिन सबसे बड़ी ज़रूरत यह है कि ऐसी घटनाओं से सबक लिया जाए ताकि भविष्य में किसी की जान न जाए।

फैन्स के लिए खुशी और ग़म का संगम

RCB की पहली ट्रॉफी जीत लाखों फैन्स के लिए गर्व का पल थी। लेकिन इस जीत का जश्न हादसे की वजह से खून और आंसुओं में डूब गया। कई परिवार आज भी अपने प्रियजनों के खोने के सदमे से बाहर नहीं आ पाए हैं। इस घटना ने यह साबित किया कि खेल और जश्न के बीच सुरक्षा इंतज़ामों की अनदेखी किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

आगे के लिए सबक

यह हादसा केवल RCB ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक सबक है कि बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा को हल्के में नहीं लिया जा सकता। फ्रेंचाइजी और आयोजकों को जिम्मेदारी तय करनी होगी। सरकार और प्रशासन को भीड़ नियंत्रण के लिए सख्त दिशा-निर्देश लागू करने होंगे। खेल आयोजनों में सुरक्षा इंतज़ाम पहले और जश्न बाद में होना चाहिए। RCB की आर्थिक सहायता सराहनीय है, लेकिन 11 परिवारों के टूटे सपनों और खोए हुए अपनों की भरपाई कोई रकम नहीं कर सकती। यह घटना खेल जगत और समाज दोनों के लिए चेतावनी है कि लापरवाही और अव्यवस्था का नतीजा कितना भयावह हो सकता है। अब सभी की निगाहें इस बात पर होंगी कि RCB और सरकार मिलकर भविष्य में ऐसे आयोजनों को कैसे सुरक्षित और जिम्मेदार बनाते हैं।

इमाम एसोसिएशन का पलटवार: संविधान से चलेगा भारत, गीता-कुरान से नहीं

-भागवत के 'हिंदू राष्ट्र' बयान पर आपत्ति

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयानों ने एक बार फिर राजनीतिक और धार्मिक हलकों में गर्माहट पैदा कर दी है। भागवत ने बीते एक हफ्ते में कई मंचों पर भारत को "हिंदू राष्ट्र" बताया। इस पर ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन ने कड़ी आपत्ति जताई है। एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद राशिदी ने कहा कि भारत किसी धार्मिक ग्रंथ से नहीं, बल्कि संविधान और कानून से चलता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि गीता हो या कुरान, वे व्यक्तिगत आस्था का विषय हैं, लेकिन देश की बुनियाद सिर्फ संविधान है।

भागवत के बयान पर नाराज़गी

मोहन भागवत ने लगातार तीन बार अलग-अलग सभाओं में कहा कि भारत मूल रूप से एक हिंदू राष्ट्र है और यहां रहने वाले सभी नागरिकों को इस पहचान को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि एक देश, एक कानून की व्यवस्था ही राष्ट्र की एकता को मजबूत करेगी। भागवत के इस बयान को लेकर मौलाना साजिद राशिदी ने तीखा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा, "बार-बार हिंदू राष्ट्र का जिक्र करना बाकी धर्मों का अपमान है। भारत बहुधर्मी, बहुभाषी और बहु-सांस्कृतिक देश है। इसे किसी एक मजहब की चौखट में बांधने की कोशिश संविधान की आत्मा के खिलाफ है।"

"संविधान ही सर्वोच्च"

इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष ने आगे कहा कि भारत की नींव लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों पर टिकी है। संविधान में हर नागरिक को बराबरी, अभिव्यक्ति और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है। इसलिए किसी एक धर्म या विचारधारा को थोपना न सिर्फ अल्पसंख्यकों बल्कि पूरे समाज के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा, "देश संविधान और कानून से चलेगा, गीता या कुरान से नहीं। धार्मिक ग्रंथ इंसानों की आस्था का हिस्सा हैं, लेकिन भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में शासन का आधार सिर्फ संविधान हो सकता है।"

पर्सनल लॉ की रक्षा पर ज़ोर

भागवत ने अपने बयानों में एक समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code) का मुद्दा भी उठाया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मौलाना राशिदी ने कहा कि भारत में पहले से ही ऐसे कानून मौजूद हैं, जिनके तहत सबके लिए न्याय और समानता सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने साफ कहा कि मुसलमानों, बौद्धों और सिखों के पर्सनल लॉ किसी भी सूरत में खत्म नहीं होने दिए जाएंगे। उनका कहना है कि पर्सनल लॉ धार्मिक परंपराओं और समुदायों की पहचान से जुड़े हैं। उन्हें खत्म करना भारत की विविधता को चोट पहुंचाने जैसा होगा।

धार्मिक सौहार्द की अपील

इमाम एसोसिएशन ने कहा कि भारत की ताकत इसकी विविधता और सांझी संस्कृति है। अगर किसी एक विचारधारा को पूरे देश पर थोपा गया, तो यह सामाजिक तनाव और विभाजन की वजह बनेगा। मौलाना राशिदी ने कहा कि सरकार और समाज को यह समझना चाहिए कि देश की एकता धार्मिक समानता से नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और संविधान की मर्यादा से कायम रहेगी। मोहन भागवत का "भारत हिंदू राष्ट्र है" वाला बयान फिलहाल राजनीतिक और धार्मिक बहस का बड़ा मुद्दा बन गया है। इमाम एसोसिएशन का रुख साफ है कि भारत किसी धर्मग्रंथ से नहीं, बल्कि संविधान और कानून से चलेगा।

जापान दौरे पर मोदी: बुलेट ट्रेन सफर से लेकर 6 लाख करोड़ निवेश तक

-अब चीन में SCO समिट में करेंगे शिरकत

टोक्यो (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जापान दौरा इस बार कई मायनों में ऐतिहासिक और खास रहा। शुक्रवार को जहां उन्होंने टोक्यो में 15वें भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया और दोनों देशों के बीच 150 अहम समझौते हुए, वहीं शनिवार को वे मियागी प्रांत के सेंडाई पहुंचे। यहां उन्होंने जापान की एडवांस बुलेट ट्रेन E10 को नजदीक से देखा और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ इस हाई-टेक ट्रेन में सफर किया।

बुलेट ट्रेन में मोदी का सफर

सेंडाई स्टेशन पर मोदी का स्वागत स्थानीय लोगों और भारतीय समुदाय के सदस्यों ने गर्मजोशी से किया। हाथों में भारत और जापान के झंडे लिए लोग नारे लगा रहे थे— "जापान में आपका स्वागत है, मोदी-सैन!"। यह नारा जापानी संस्कृति और भारतीय सम्मान का सुंदर संगम था। बुलेट ट्रेन यात्रा के दौरान मोदी और इशिबा ने ट्रेन की तकनीक, सुरक्षा व्यवस्था और यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। खास बात यह रही कि उन्होंने भारत से आए उन ड्राइवरों से भी मुलाकात की जिन्हें जापान का ईस्टर्न रेलवे विभाग ट्रेनिंग दे रहा है। ये भारतीय ट्रेन ड्राइवर आगे चलकर भारत में शुरू होने वाली बुलेट ट्रेन सेवाओं का संचालन करेंगे। इस पहल को भारत-जापान तकनीकी सहयोग का महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है।

भारत-जापान साझेदारी के नए अध्याय

मोदी और इशिबा की मुलाकात केवल प्रतीकात्मक नहीं रही, बल्कि इसका असर भविष्य की साझेदारी पर गहराई से दिखेगा। शुक्रवार को दोनों देशों के बीच हुए 150 समझौते आर्थिक, तकनीकी, रक्षा, शिक्षा और पर्यावरण जैसे कई क्षेत्रों को कवर करते हैं। जापानी प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि जापान आने वाले 10 वर्षों में भारत में 6 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा। यह निवेश विशेष रूप से इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल तकनीक, ग्रीन एनर्जी और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में किया जाएगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि इससे भारत के विकास की गति तेज होगी और दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार भी मजबूत होगा।

बुलेट ट्रेनः भारत का सपना, जापान की तकनीक

भारत में बुलेट ट्रेन परियोजना लंबे समय से चर्चा में है। मोदी का यह दौरा इस परियोजना को गति देने वाला माना जा रहा है। जापान ने भारत को हाई-स्पीड रेल तकनीक, वित्तीय मदद और विशेषज्ञता देने का वादा किया है। महाराष्ट्र और गुजरात के बीच चलने वाली पहली बुलेट ट्रेन परियोजना में जापान का सहयोग पहले से ही मिल रहा है। अब भारतीय ड्राइवरों की जापान में ट्रेनिंग इस साझेदारी को और गहरा बना रही है। इससे न केवल तकनीकी क्षमता बढ़ेगी बल्कि भारतीय रेलवे को आधुनिक स्वरूप देने में मदद मिलेगी।

सामुदायिक जुड़ाव और सांस्कृतिक रंग

सेंडाई में मोदी के स्वागत के दौरान जापान में बसे भारतीय समुदाय की झलक देखने लायक रही। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग पारंपरिक भारतीय परिधानों में वहां मौजूद थे। कई लोगों ने मोदी को राखियां और पुष्पमालाएं भेंट कीं। जापानी नागरिक भी भारतीय तिरंगा लहराते नजर आए। यह भारत-जापान की गहरी दोस्ती और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रमाण है।

भारत-जापान रिश्तों का भविष्य

दोनों नेताओं की इस मुलाकात से यह संदेश साफ गया कि भारत और जापान केवल व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि रणनीतिक मित्र भी हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए भारत-जापान का सहयोग और भी अहम हो गया है। दोनों देश मिलकर क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को मजबूत करने का प्रयास करेंगे।

SCO समिट के लिए चीन रवाना

जापान दौरे के बाद मोदी अब चीन के दौरे पर रवाना हो गए हैं। वे रविवार को वहां आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस सम्मेलन में सुरक्षा, आतंकवाद, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

पुतिन दिसंबर में भारत दौरे पर आएंगे: भारत-रूस रिश्तों के नए अध्याय की तैयारी

-SCO समिट के बाद पुतिन का भारत दौरा तय, अमेरिका ने लगाया टैरिफ दबाव

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल दिसंबर में भारत की यात्रा पर आएंगे। क्रेमलिन ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह दौरा लंबे समय से चली आ रही भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। खास बात यह है कि 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन का पहला भारत दौरा होगा। इसलिए इस यात्रा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यूक्रेन युद्ध और भारत-रूस संबंध

फरवरी 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तब से रूस और पश्चिमी देशों के रिश्ते गहरे संकट में हैं। अमेरिका और यूरोप ने रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए। इसके बावजूद भारत ने रूस से तेल और गैस की खरीद जारी रखी। इसका सीधा फायदा भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मिला और भारत को सस्ती दरों पर तेल आयात करने का अवसर मिला। यही कारण है कि रूस अब भारत का सबसे बड़ा कच्चे तेल आपूर्तिकर्ता बन चुका है। हालांकि, इस स्थिति ने भारत और अमेरिका के बीच तनाव भी बढ़ाया है। वाशिंगटन लगातार भारत से यह आग्रह करता रहा है कि वह रूस से तेल आयात कम करे, लेकिन भारत ने साफ कर दिया कि उसकी प्राथमिकता अपनी ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करना है। यही वजह है कि पुतिन की आगामी भारत यात्रा को अमेरिका के दबाव के बीच भारत की 'रणनीतिक स्वायत्तता' (Strategic Autonomy) का संकेत माना जा रहा है।

SCO समिट में मोदी-पुतिन मुलाकात

न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, पुतिन सोमवार को चीन में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (SCO) समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में उनकी दिसंबर वाली भारत यात्रा पर भी चर्चा होगी। दोनों नेता ऊर्जा सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा और बहुपक्षीय मंचों पर समन्वय जैसे मुद्दों पर विचार करेंगे। माना जा रहा है कि SCO बैठक भारत-रूस संबंधों की नई दिशा तय करने में मददगार साबित होगी।

अमेरिका का दबाव और बढ़ते टैरिफ

पुतिन की यात्रा की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के निर्यात पर 50% तक का टैरिफ लगा दिया है। इसमें से 25% अतिरिक्त शुल्क केवल इस वजह से लगाया गया है कि भारत रूस से बड़े पैमाने पर कच्चा तेल खरीद रहा है। अमेरिका का तर्क है कि भारत की यह नीति रूस को यूक्रेन युद्ध जारी रखने में मदद कर रही है। भारत के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है क्योंकि उसे एक ओर अपने ऊर्जा हितों को साधना है, वहीं दूसरी ओर अमेरिका जैसे अहम साझेदार देश के साथ भी रिश्ते संभालने हैं।

अजीत डोभाल की मॉस्को यात्रा

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने इस महीने की शुरुआत में मॉस्को का दौरा किया था। वहां उन्होंने क्रेमलिन में पुतिन से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच सुरक्षा, रक्षा और ऊर्जा सहयोग पर विस्तार से चर्चा हुई। डोभाल ने उस समय कहा था कि भारत और रूस का रिश्ता बहुत खास और पुराना है। हम दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी बताया था कि राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की तारीख लगभग तय हो चुकी है।

भारत के लिए यात्रा का महत्व

पुतिन का यह दौरा कई मायनों में अहम है। ऊर्जा सहयोग – रूस से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर ठोस समझौते हो सकते हैं। रक्षा साझेदारी – रूस भारत का सबसे बड़ा रक्षा साझेदार है। एस-400 मिसाइल सिस्टम जैसे अहम डिफेंस प्रोजेक्ट्स पहले से चल रहे हैं। यात्रा के दौरान नए रक्षा समझौते भी हो सकते हैं। भू-राजनीतिक संकेत – यह दौरा दिखाएगा कि भारत किसी भी वैश्विक दबाव में आकर अपनी विदेश नीति नहीं बदलता। आर्थिक अवसर – रूस से व्यापार और निवेश बढ़ाने पर भी जोर रहेगा, खासकर फार्मा, आईटी और कृषि क्षेत्रों में। पुतिन की दिसंबर में होने वाली भारत यात्रा यूक्रेन युद्ध के बाद के बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक अहम घटना होगी। जहां पश्चिमी देश रूस को अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं भारत ने अपने हितों और संतुलित कूटनीति को प्राथमिकता दी है।

इजराइली एयरस्ट्राइक में हूती प्रधानमंत्री की मौत

-रक्षा मंत्री समेत कई टॉप कमांडर निशाने पर

सना (एजेंसी)। यमन की राजधानी सना में इजराइली एयरस्ट्राइक ने मध्य-पूर्व की राजनीति को अचानक हिला दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हमले में हूती लड़ाकों के प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी मारे गए हैं। यही नहीं, हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद अल-अती और चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद अब्द अल-करीम अल-घमारी को भी निशाना बनाया गया, जिनके मारे जाने की आशंका जताई जा रही है।

हमले की पृष्ठभूमि

इजराइली डिफेंस फोर्स (IDF) ने 28 अगस्त को सना में एयरस्ट्राइक की। यह हमला उस समय हुआ जब हूती विद्रोहियों ने इजराइल पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया था। हूती लंबे समय से इजराइल के खिलाफ अपनी आक्रामक रणनीति को आगे बढ़ा रहे हैं और गाजा युद्ध के बाद से उन्होंने इजराइल को सीधे तौर पर टारगेट करना शुरू कर दिया था। इजराइली सेना ने दावा किया कि यह हमला बेहद सटीक जानकारी के आधार पर किया गया। IDF के मुताबिक, एयरस्ट्राइक में हूती मिलिट्री ठिकाने, राष्ट्रपति भवन और कई स्ट्रैटेजिक लोकेशन टारगेट किए गए।

हताहत और नुकसान

यमन के अधिकारियों का कहना है कि इन हमलों में कम से कम 10 लोग मारे गए और 90 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में न सिर्फ हूती लड़ाके बल्कि आम नागरिक भी शामिल हो सकते हैं। राजधानी सना के कई इलाकों में धमाकों की आवाजें गूंजीं और सुरक्षा बलों ने घटनास्थल को चारों ओर से घेर लिया।

इजराइल का सख्त संदेश

हमले के बाद इजराइल के विदेश मंत्री ने कहा— "हमने पहले ही चेतावनी दी थी कि जो भी इजराइल के खिलाफ हथियार उठाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। हूतियों को पहले ही साफ कहा गया था कि बुरे काम का बुरा अंजाम होगा।" वहीं, इजराइली रक्षा मंत्री ने भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि इस एयरस्ट्राइक ने साबित कर दिया है कि इजराइल अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं करेगा।

हूती नेतृत्व पर बड़ा झटका

हूती विद्रोही पिछले कई सालों से यमन में सत्ता पर काबिज हैं और सऊदी अरब सहित खाड़ी देशों के साथ उनका संघर्ष चलता रहा है। ईरान से समर्थन पाने वाले हूती अब इजराइल के खिलाफ भी सक्रिय हो गए थे। ऐसे में उनके प्रधानमंत्री और टॉप कमांडरों का मारा जाना संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस हमले से न सिर्फ हूतियों की सैन्य ताकत कमजोर होगी बल्कि उनके संगठन में नेतृत्व का संकट भी पैदा हो सकता है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

हालांकि इस हमले पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभी कोई बड़ी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन जानकारों का कहना है कि यह घटना यमन युद्ध और गाजा संघर्ष दोनों को और जटिल बना सकती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,